फरवरी (द्वितीय) 2021 | ₹ 30.00

चंपक®

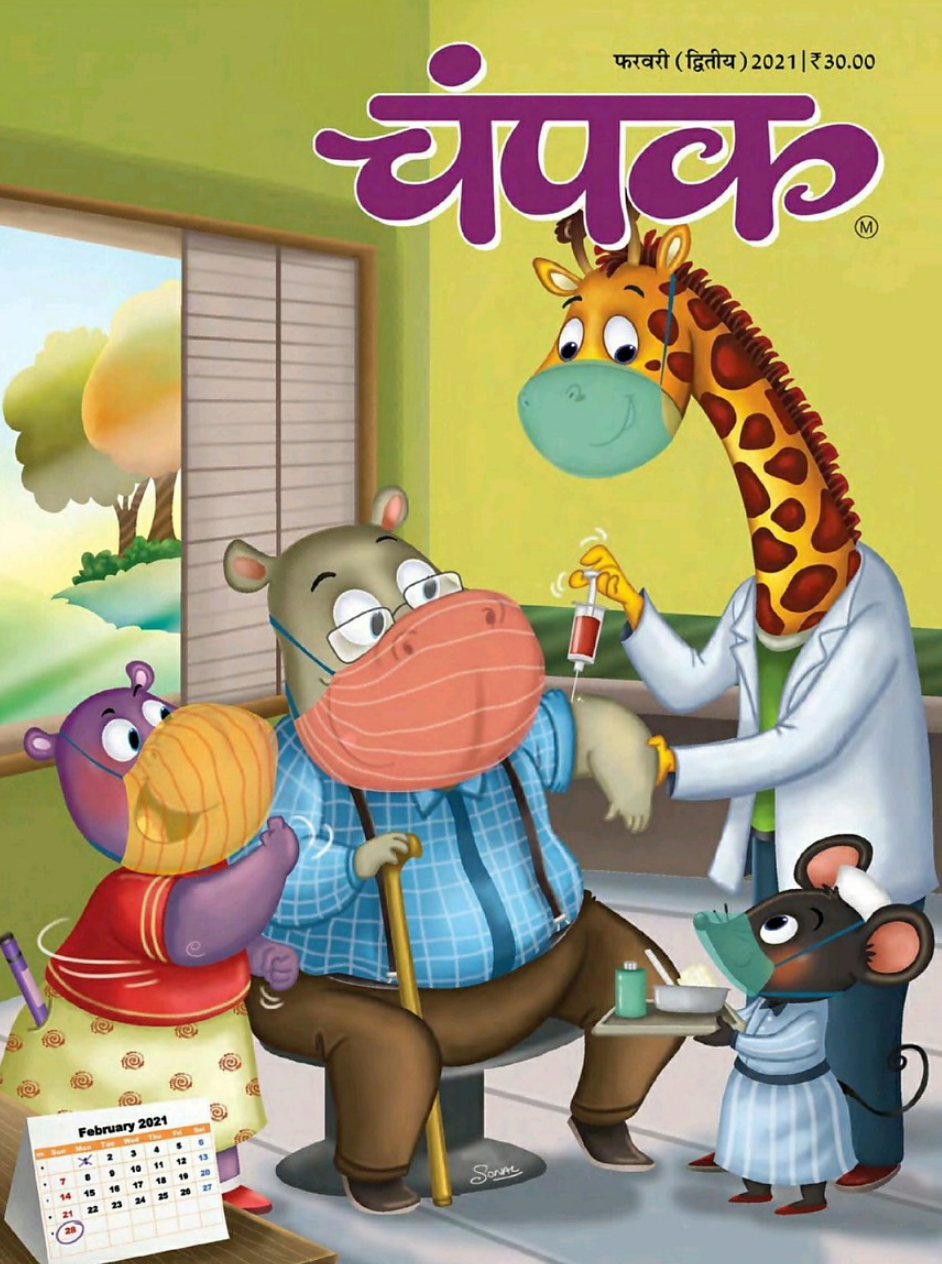

VISIT…

HAPPIER CHILDHOODS GUARANTEED

If you are looking for magazines that will help spark the imagination of your child, look no further! Dedicated to broadening the horizons of children aged 2-12 years, *Champak*, *Highlights Genies* and *Highlights Champs* are an essential part of your child's reading list.

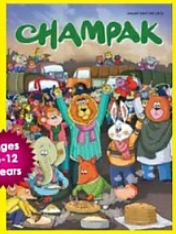

India's largest read children's magazine

America's leading children's magazine is now in India!

America's leading early childhood magazine is now in India!

To subscribe : SMS 8588843436 | Call toll free no.1800 103 8880 | visit www.delhipress.in/subscribe | email subscription@delhipress.in

चंपक

फरवरी (द्वितीय) 2021 अंक : 1207

संस्थापक
विश्वनाथ
1917–2002

सुनो कहानी

जरोना से मुक्ति	4
विवेक की औनलाइन कक्षाएं	12
एक नई भाषा	16
तरुण और गुलाब	22
आ गई वैक्सीन	28
मनी ट्रैप	36
संतरा, कमाल का फल	45

मुखपृष्ठ

वैक्सीन बहुतों के लिए राहत ले कर आई है, जबकि अब महामारी का अंत भी करीब ही दिखाई दे रहा है. वैक्सीन के बारे में एकदूसरे को जानकारी साझा करना सुनिश्चित करें. विवरण जानने के लिए हमारी कहानियां पढ़ें और सुरक्षित रहें.

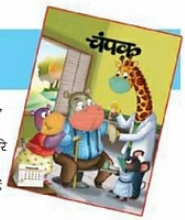

मन बहलाओ

सुंदर रंग भरो	9
देखो हंस न देना	10
बताओ तो जानें	14
रास्ता बताओ	15
याददाश्त बढ़ाएं	20
पता लगाएं	21
बिंदु मिलाओ	26
छिपे चित्र ढूंढ़ें	27
छाया की खोज	33
स्मार्ट	34
चित्र पूरा करें	35
गलत को बताएं	39
अंतर बताओ	44

चित्र कथाएं

डमरू और केक	11
चीकू	24
दादाजी और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	40

विशेष पृष्ठ

मजेदार विज्ञान	19
नन्ही कलम से	42

संपादक व प्रकाशक ● परेश नाथ

संपादकीय, विज्ञापन व प्रकाशन कार्यालय :
दिल्ली प्रेस भवन, ई-8, इंडियाला एस्टेट, रानी झांसी मार्ग, नई दिल्ली-110055. फोन : 41398888, 23529557-62.
दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक परेश नाथ द्वारा ई-8, इंडियाला एस्टेट, नई दिल्ली-110055 से प्रकाशित एवं फोटन पीएस पीसी प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, डीएलएफ-50, इंडिट्यल एरिया, फरीदाबाद, हरियाणा - 121003 से मुद्रित. संपादक - परेश नाथ.
Sold on the condition that jurisdiction for all disputes concerning sale, subscription and published matter will be in courts/forums/tribunals at Delhi.

चंपक में प्रकाशित कथा साहित्य में नाम, स्थान, घटनाएं व संस्थाएं काल्पनिक हैं और किसी से उन की समानता संयोग मात्र है.
प्रकाशनार्थ रचनाओं के साथ टिकट लगा पता लिखा लिफाफा भेजना आवश्यक है अन्यथा अस्वीकृत रचनाएं लौटाई नहीं जाएंगी. प्रेषित रचनाओं की सुरक्षा/वापसी के लिए कार्यालय का कोई उत्तरदायित्व नहीं है.
दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड की आज्ञा बिना कोई रचना किसी प्रकार उद्धृत नहीं की जानी चाहिए, 'चीकू' शीर्षक भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड है. वार्षिक मूल्य केवल क्रेडिट कार्ड/चैक/ड्राफ्ट/मनीआर्डर द्वारा ही 'चंपक' के नाम से ई-8, इंडियाला एस्टेट, नई दिल्ली-110055 को ही भेजें. वी.पी.पी. नहीं. एक प्रति रु. 30.00 (बिना सीडी के), वार्षिक रु. 576, दो वर्ष रु. 1050. (भारत में)

ग्राहक बनने और वितरण के बारे में विस्तृत जानकारी संपर्क करें:
दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड
ई-8, इंडियाला एस्टेट, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-110055
फोन: 91-11-41398888, एक्स. नं. 119, 221, 264.
गोवाइस/एसएमएस/व्हाट्सऐप: 08588843408
ईमेल: subscription @ delhipress.in

दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड
बी-3, पडाला एपोलो भवन, नेगोश ब्रोस रोड, पडाला मुंबई-400031. फोन : 91-22-24122661, 43473050.

● रचनाओं व स्तंभों के लिए ईमेल: article.hindi @ delhipress.in
● निमंत्रणों व प्रेस सूचनाओं के लिए ईमेल: invites.pressrelease @ delhipress.biz
● संपादक को पत्रों के लिए ईमेल: editor @ delhipress. biz
● ग्राहक विभाग के लिए ईमेल: subscription @ delhipress.in

अपनी कहानी, कविता, इतिहास तथा प्रायरूप यहां भी भेज सकते हैं :
writetochampak@delhipress.in या एसएमएस करें : 09599827613
www. facebook.com/ChampakMagazine और https://www.youtube.com/ user/ ChampakSciQ

जरोना से मुक्ति

कहानी ● संजीव जायसवाल 'संजय'

रानी शेरनी चेरिकेन चिंतित थी. सारे दरबारी भी चिंतित नजर आ रहे थे. चंपकवन में कुछ दिनों से रहस्यमयी घटनाएं घट रही थीं. अच्छेखासे जानवर अचानक बीमार पड़ रहे थे और उन में से कइयों की मौत भी हो रही थी.

विकी भेड़िया एक धूर्त तांत्रिक था. उस ने अफवाह फैला दी थी कि वनदेवी जंगलवासियों से नाराज हो गई हैं. इसीलिए उन का क्रोध पूरे जंगल पर बरस रहा है. उन के क्रोध से बचने के लिए उस ने तावीज बेचना शुरू कर दिया था. उस के घर के बाहर तावीज खरीदने वालों की भीड़ लगी थी.

चेरिकेन बहुत समझदार थी. वह तांत्रिकों और तावीजों में विश्वास नहीं करती थी. उस ने डाक्टरों की एक कमेटी बना कर इन मामलों की जांच करने के आदेश दे दिए थे. आज कमेटी की रिपोर्ट आने वाली थी. दरबार में सभी लोग उसी का इंतजार कर रहे थे. थोड़ी ही देर में डाक्टर जंपी और जूजू जेब्रा रिपोर्ट के साथ दरबार में पहुंचे.

''डाक्टर, क्या खबर है?'' चेरिकेन ने पूछा.

''महारानी, समाचार अच्छे नहीं हैं, अपने जंगल में 'जरोना' नाम का एक खतरनाक वायरस फैल गया

है. यह अत्यधिक संक्रामक है और एकदूसरे के संपर्क में आने से वह दूसरे जानवरों में फैलता जा रहा है. अगर इसे रोका न गया तो यह सभी को अपनी चपेट में ले लेगा,'' डाक्टर जंपी ने गंभीर स्वर में कहा.

''तो फिर आप जंगल के सभी डाक्टरों से इस के लिए कहें,'' चेरिकेन ने आदेश दिया.

''महारानी, यह बिलकुल नया वायरस है. इस की अभी तक कोई दवा या वैक्सीन नहीं बनी है. यह बिलकुल कोरोना वायरस जैसा ही है, जिस ने मनुष्यों को परेशान कर दिया है. यह सब जानवरों में फैल रहा है इसलिए इस का नाम जरोना रखा गया है. इस के कारण आज पूरी जानवर जाति पर खतरा मंडरा रहा है.''

''अगर इस की कोई दवाई ही नहीं बनी है, तो फिर इस से हमारा बचाव कैसे होगा?'' रानी ने बेचैनी से सिंहासन पर बैठते हुए कहा.

''महारानी, जंगल में लौकडाउन घोषित करवा दीजिए, इस से समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी,'' डाक्टर जंपी ने राय दी.

''इस से समस्या कुछ कम तो होगी, लेकिन खत्म नहीं होगी. मनुष्यों ने लौकडाउन लगाया था, लेकिन उस से उन्हें कोई खास लाभ नहीं हुआ. उन के यहां करोना फैलता ही जा रहा है. जरोना को रोकने के लिए हमें कोई दूसरा उपाय सोचना होना,'' चेरिकेन ने कहा और फिर दरबारियों की ओर देखा और पूछा, ''क्या आप लोगों के पास कोई सुझाव है?''

यह सुन कर पूरे दरबार में चुप्पी छा गई. सभी ने टीवी पर करोना से होने वाली परेशानियों और उस की रोकथाम के लिए मनुष्यों द्वारा किए जा रहे असफल प्रयासों को खूब देखा था.

सभी को मौन देख कर नन्हे चीकू खरगोश ने कहा, ''महारानी, करोना न रुक पाने का सब से बड़ा कारण मानवजाति के पास अनुशासन और साधन की कमी है.''

''यह तुम क्या कह रहे हो? मनुष्यों को तो पृथ्वी पर सब से समझदार प्राणी माना जाता है और उन के पास तो संसाधनों की कमी ही नहीं है. एक से बढ़ कर एक मशीन उन्होंने बनाई है,'' चेरिकेन ने उत्तर दिया.

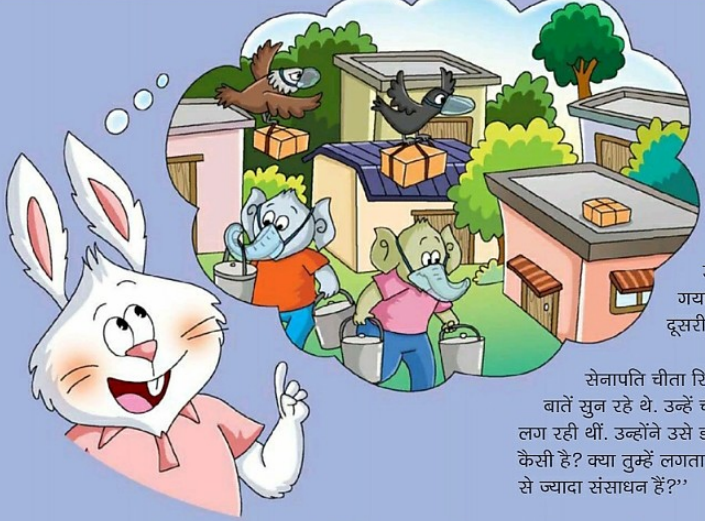

का पूरा इंतजाम उन के पास नहीं था. इसीलिए मनुष्यों को मजबूरन घर से बाहर निकलना पड़ा और एक बार जब वे बाहर निकल पड़े तो फिर उन्हें रोक पाना मुश्किल हो गया. किंतु अपने यहां स्थिति दूसरी है,'' चीकू ने समझाया.

सेनापति चीता सिंह अभी तक चुपचाप सारी बातें सुन रहे थे. उन्हें चीकू की बातें बेसिरपैर की लग रही थीं. उन्होंने उसे डपटा, ''यहां स्थिति दूसरी कैसी है? क्या तुम्हें लगता है कि हमारे पास मनुष्यों से ज्यादा संसाधन हैं?''

''महारानी, मनुष्य समझदार नहीं बल्कि जरूरत से ज्यादा समझदार है और उस का यही गुण उस की सब से बड़ी मुसीबत है,'' चीकू ने कहा.

''तुम्हारा क्या मतलब है?''

''प्रत्येक मनुष्य अपने को दूसरे से ज्यादा समझदार समझता है. इसीलिए वह किसी की बात आसानी से नहीं मानता. दुनिया भर की सरकारों ने लौकडाउन लगाया और सभी लोगों से कहा कि वे अपने घर पर रहें. जरूरी होने पर ही मास्क लगा कर बाहर निकलें. किंतु ज्यादातर लोगों ने सरकार की बात नहीं मानी. वे बेमतलब बिना मास्क पहने सड़क पर घूम रहे हैं, इसीलिए करोना खत्म होने के बजाय फैलता ही जा रहा है,'' चीकू ने समझाया.

''हूं, तुम्हारी यह बात तो ठीक है. मनुष्यों में अनुशासन की वास्तव में बहुत कमी है, इसीलिए वे आएदिन अपने लिए नईनई समस्याएं खड़ी करते रहते हैं,'' चेरिकेन ने सिर हिलाया और बोलीं, ''लेकिन उन की साधनों की कमी वाली बात समझ नहीं आई.''

''महारानी, सरकारों ने तो कह दिया कि अपनेअपने घर पर रहो, लेकिन सभी के घर खानापीना पहुंचाने

''हां, साधन भले ज्यादा न हों, लेकिन अनुशासन और एकता के बल पर हम जरोना को जरूर हरा सकते हैं,'' चीकू ने कहा.

''हम ऐसा कैसे कर सकते हैं?''

''इस जंगल में सभी महारानी की बात मानते हैं. अगर वह कह देंगी कि सभी को घर ही पर रहना है तो कोई भी घर से बाहर नहीं निकलेगा.''

''लेकिन सब के खानेपीने का इंतजाम कैसे होगा?'' चेतक ने पूछा.

''हम ड्रोन से घरघर खाना और टैंकर से पानी पंहुचाने की व्यवस्था करेंगे,'' चीकू ने समस्या का हल बताया.

''तुम्हारा दिमाग तो सही है? हमारे पास ड्रोन और टैंकर कहां हैं?'' चेतक गुस्से से भड़क उठा.

''ध्यान से देखिएगा तो बहुत हैं,'' चीकू हलका सा हंसा फिर बोला, ''हमारे पास उड़ने वाले बड़ेबड़े पक्षियों की पूरी फौज है. ये लोग अपनी चोंच में मास्क और पंजों में सैनिटाइजर लगा कर घरघर

खाने के पैकेट पहुंचा सकते हैं. इन का काम ड्रोन से भी ज्यादा सुरक्षित होगा.''

''अरे वाह, यह तो बहुत बढ़िया सुझाव है,'' मंत्री जंबो हाथी खुशी से उछल पड़े. वे चीकू की योजना समझ गए थे, इसलिए अपनी सूंड़ उठाते हुए बोले, ''सब के घरों में पानी पहुंचाने की जिम्मेदारी अपने साथियों की तरफ से मैं लेता हूं.''

''वाह, आप लोग टैंकर का काम भी कर सकते हैं, यह तो मैं ने कभी सोचा ही नहीं था,'' चेरिकेन हंस पड़ी. चीकू की योजना सुन कर उन की आधी चिंता दूर हो गई थी.

''महारानी, सोचने का काम इस चीकू को ही दे दीजिए. मीठीमीठी गाजरें खा कर यह बहुत मीठी बातें सोच लेता है,'' हंसते हुए जंबो ने कहा.

''महारानी, अगर सभी जानवर केवल 15 दिन तक घरों से बाहर न निकलें तो इस वायरस की चेन को तोड़ा जा सकता है. इस बीच, जितने लोग बीमार पड़ेंगे उन्हें अलग रख कर उन का इलाज किया जा सकता है,'' डाक्टर जंपी ने बताया.

''कहीं 15 दिन का समय आगे तो नहीं बढ़ाना पड़ेगा?'' चेरिकेन ने पूछा. वह जानती थी कि घरों में बंद रहने से सभी को बहुत परेशानी होगी. खास कर छोटे बच्चों को.

''अगर सभी जानवर मनुष्यों की तरह अनुशासनहीनता कर घरों से बाहर न निकलें तो 15 दिन में इस वायरस पर काबू लिया जाएगा,'' डाक्टर जंपी ने कहा.

यह सुन चेरिकेन ने सेनापति चेतक की ओर देखा तो वह बोला, ''महारानी, आप निश्चिंत रहें. हमारे जंगल की प्रजा बहुत समझदार है. वह आप की आज्ञा जरूर मानेगी फिर भी अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए मैं अपने सैनिकों के साथ गश्त लगाता रहूंगा. बस, एक समस्या हो सकती है.''

''कैसी समस्या?''

''विक्की भेड़िया ताबीज बेच कर मोटी कमाई कर रहा है. धंधा बंद होने पर वह लोगों को भड़का सकता है,'' चेतक ने कहा.

''मैं ने इस ढोंगी तांत्रिक के बारे में पहले भी कई बार सुना है. जादूटोने की मनगढ़ंत बातें बता कर यह भोलेभाले जानवरों को ठगता रहता है. इसे फौरन गिरफ्तार कर के जेल भेजवा दीजिए,'' चेरिकेन ने आज्ञा दी.

सारी योजना बन गई. थोड़ी ही देर में पिंटू बंदर गले में ढोल डाल कर पूरे जंगल में डुगडुगी बजाने लगा.

''सुनोसुनो, चंपकवन के वासियो, सुनो, 'जरोना' से

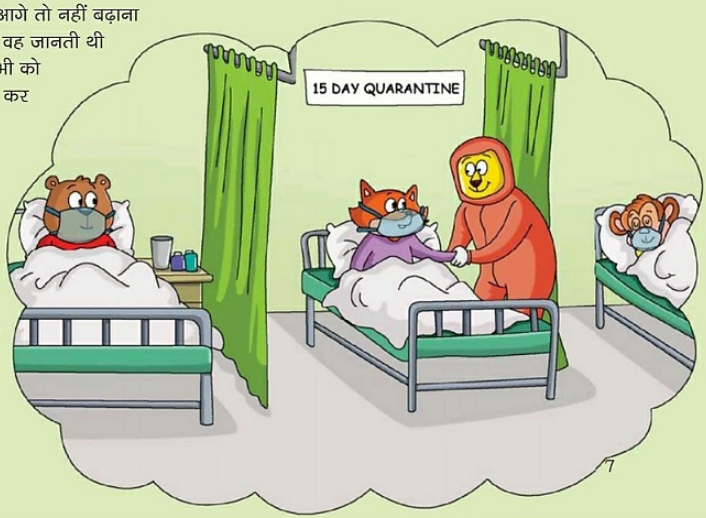

छुटकारा पाने के लिए महारानी ने सभी को 15 दिन के लिए घर पर रहने की आज्ञा दी है. इस बीच सभी के खानेपीने का इंतजाम भी राजा की ओर से किया जाएगा.''

इसी के साथ चेरिकेन ने भी टीवी पर आ कर अपील की, ''साथियो, अगर आप लोग साथ दोगे तो 15 दिन में ही हम इस महामारी पर विजय प्राप्त कर लेंगे. लेकिन अगर मनुष्यों की ही तरह आप ने गलती की और बिना किसी जरूरी काम के, बिना मास्क के घर से बाहर निकलेंगे तो हमें स्कूल, बाजार सबकुछ लंबे समय के लिए बंद करने पड़ सकते हैं.''

चंपकवन के निवासी बहुत समझदार थे. उन्हें मालूम था कि मनुष्यों ने लौकडाउन के नियमों का पालन न कर के कितनी बड़ी गलती की है. उन की लापरवाही के चलते ही बच्चों की पढ़ाई और बड़ों के धंधे चौपट हो गए थे. इसलिए सभी ने तय कर लिया कि जब तक महारानी नहीं कहेंगी वे अपने घरों से बाहर नहीं निकलेंगे.

अगले दिन से महल के आंगन में कई कारीगर खाना बनाने में जुट गए. बाज, कौआ, चील, तोता और कई दूसरे पक्षी हंसतेखेलते सभी के घरों में खाना पहुंचाने लगे. हाथियों के झुंड ने 15 दिन तक किसी के भी घर में पानी की कमी नहीं होने दी. इस बीच डाक्टर जंपी और डाक्टर जूजू की टीम ने घरघर जा कर पूछताछ की. जिस जानवर को भी हलकी सी खांसी या बुखार हुआ उसे अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया.

चंपकवन के निवासियों ने साबित कर दिया कि अनुशासन और एकता के दम पर असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है. जो काम मनुष्य एक साल से ज्यादा समय में भी नहीं कर सके, उसे उन्होंने 15 दिन में कर दिखलाया. उन के अनुशासन के चलते जरोना वायरस हमेशाहमेशा के लिए खत्म हो गया. ●

सुंदर रंग भरो

देखो हंस न देना

टीचर (रोहन से) : रोहन, किस युद्ध में टीपू सुल्तान मारा गया था?
रोहन : अपने अंतिम युद्ध में.
मौलिक गुप्ता, 9 वर्ष
जयपुर

आर्यन (नयन से) : स्वतंत्रता की घोषणा पर कहां हस्ताक्षर किए गए थे?
नयन : पृष्ठ के निचले भाग में.
क्रिहर, 7 वर्ष
कोच्चि

टीचर (रवि से) : रवि, 2 सर्वनाम बताओ.
रवि : कौन? मैं?
टीचर : वाह, बिलकुल सही.
कुंच धनानि, 12 वर्ष
मुंबई

आदमी (औरत से) : खट, खट, खट.
औरत : वहां कौन है?
आदमी : मैं.
औरत : कौन मैं?
आदमी : तुम नहीं जानती कि तुम कौन हो.
पर्ल जोगानि, 13 वर्ष
नई दिल्ली

जज (चोर से) : तुम कहां पकड़े गए थे?
चोर : अपनी सुबह की क्रिसमस की खरीदारी में.
जज : कितनी सुबह?

हाहाहा हाहाहा हीहीहीं हीहीहीं

टूटू (विवेक से) : इंटरनेट पर सर्फ करने के लिए पेड़ कैसे मिलते हैं?
विवेक : लौग इन कर के.
अरविंद डी, 10 वर्ष
सूरत

चोर : दुकान के खुलने से पहले.
जिगनासा चिरामना, 12 वर्ष
भोपाल

टीचर (काजल से) : तुम फर्श पर क्यों हो?
काजल : क्योंकि आप ने कहा था कि इन मैथ्स की प्रौब्लम को बिना टेबल के करना.
प्रतीक सिंह, 9 वर्ष
गुजरात

टीचर (छात्र से) : कौन दूर है, नई दिल्ली या चांद?
छात्र : नई दिल्ली.
टीचर : यह कैसे हो सकता है?
टीचर : मैम, हम चांद को देख सकते हैं, लेकिन नई दिल्ली को यहां से नहीं देख सकते हैं.
विनुथा शाह, 9 वर्ष
मुंबई

चिंटू (किट्टू से) : कंकाल ने डांस क्यों नहीं किया?
किट्टू : क्योंकि उस के पास डांस करने के लिए बौडी यानी शरीर नहीं था.
रियान दत्ता, 10 वर्ष, रांची

लिली (सायना से) : ऐसा क्या है जिस का कूबड़ होता है और वह मरुस्थल में पाया जाता है?
सायना : ऊंट.
लिली : ऐसा क्या है जिस का कूबड़ होता है और वह उत्तरीध्रुव में पाया जाता है?
सायना : ऊंट जो अपना रास्ता भटक गया है.
शारिख, 6 वर्ष, गुवाहाटी

चेतक और मनीष पेड़ के नीचे सुस्ता रहे थे. चेतक पेड़ पर चढ़ गया और पेड़ की ब्रांच यानी शाखा पर बैठ गया.
मनीष : चेतक, तुम वहां पर क्यों बैठ गए?
चेतक : मेरे पापा चाहते हैं कि मैं ब्रांच मैनेजर बनूं. इसलिए मैं सीख रहा हूं कि इस ब्रांच को कैसे मैनेज किया जाता है.
खुसिल सांघवि, 8 वर्ष, कानपुर

अपनी पहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें:
चंपक, दिल्ली प्रेस, ए-4, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, वडाला, मुंबई - 400031
ईमेल : writetochampak@delhipress.in
और SMS: 9619587613
औनलाइन विजिट करें :
www.facebook.com/ChampakMagazine
https://www.youtube.com/ChampakSciQ

डमरू और केक

कहानी ● शिवेश श्रीवास्तव

डमरू ने हेनरी बंदर की केक शॉप पर काम करना शुरू किया था.

डमरू, सावधानी से काम करना नहीं तो तुम्हें निकाल दिया जाएगा.

मालिक, आप को कोई शिकायत नहीं होने दूंगा.

वे केक बेचते हैं और पैसा कमाते हैं, ठीक है.

मालिक, लोग इन केकों का क्या करते हैं?

लोग जन्मदिन या किसी भी खुशी के पल को मनाने के लिए केक खरीदते हैं. वे इसे काटते हैं और खाते हैं.

ओह, तो वे खुशी मनाने के लिए केक काटते हैं.

अगले दिन

डमरू, मैं मार्केट जा रहा हूं. दुकान का खयाल रखना.

चिंता न करें मालिक.

SONAL

कुछ देर के बाद

डमरू, दुकान के सारे केकों को तुम ने क्यों काट दिया?

मालिक, आज ऐली हाथी, रिनी लोमड़ी और शैंकी सियार का जन्मदिन है.

तो क्या हुआ, तुम ने दुकान के सारे केक क्यों काट डाले?

मालिक, आप ने कहा था कि जन्मदिन और खुशियां मनाने के लिए केकों को काटा जाता है. मैं खुश हूं, इसलिए मैं ने सारे केक काट डाले.

बेवकूफ, तुम्हें केक उन लोगों को बेचने थे जो उन्हें काटने के लिए खरीदना चाहते हैं. तुम्हें शौप पर सारे केक नहीं काटने थे.

न सिर्फ मैं ने सारे केक काट डाले, बल्कि मैं ने तो सभी के घरों में केक के बहुत से टुकड़े भी मुफ्त में भेज दिए हैं.

डमरू ने मुझे बरबाद कर दिया. उस ने न सिर्फ केक काटे, बल्कि उस ने मेरी पौकेट में एक बड़ा सा छेद भी कर दिया.

विवेक की औनलाइन कक्षाएं

कहानी ● प्राजक्ता देशपांडे

कोविड-19 महामारी के चलते विवेक के स्कूल वालों ने सभी छात्रों के लिए औनलाइन कक्षाएं शुरू कीं. विवेक कक्षा 9 का विद्यार्थी था. उस की क्लास हमेशा 3 से 4 घंटे चलती थी. इस से सभी पैरेंट्स काफी खुश हो गए, क्योंकि बच्चे बिजी हो गए थे और उन की पढ़ाई का नुकसान होने से बच गया.

क्लासेस शुरू हुए एक महीना हो गया था. विवेक की पढ़ाई अभी तक ठीक चल रही थी, लेकिन पिछले कुछ क्लास टैस्ट में उस की रैंक अच्छी नहीं थी. जब विवेक के पापा ने उस से पूछा तो उस ने कहा, ‘‘इस बार मेरी तैयारी ठीक नहीं हुई थी, अगली बार अच्छे मार्क्स लाऊंगा,’’ उस के पापा ने उसे अपनी पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने को कहा, लेकिन उस की परफौर्मेंस हर टैस्ट में पिछड़ती रही.

यह देख कर विवेक के पैरेंट्स काफी चिंतित थे. उन्होंने इस बारे में जब टीचर से बात की तो पता चला कि पहले की तरह विवेक चौकस नहीं है. क्लासरूम पढ़ाई न होने से वे चाह कर भी अब हर बच्चे पर पहले जैसा ध्यान नहीं दे पाते हैं.

एक दिन विवेक की औनलाइन क्लास चल रही थी. मम्मी वहीं बैठ कर कुछ पढ़ रही थीं. उन्होंने देखा कि विवेक अपने टेबलेट पर किसी और एक्टिविटी में

बिजी है. वे पीछे से चुपचाप जा कर देखने लगीं, पता चला कि विवेक किसी औनलाइन गेम में लगा हुआ है, बीचबीच में वह टीचर की तरफ बस देख रहा है. अब सारा मसला उन की समझ में आ गया. वे चुपचाप वहां से चली गईं.

जब 2 घंटे बाद क्लास खत्म हुई और फिर नई क्लास शुरू हुई तो मां ने कहा, ''बेटा, आज क्लास अटैंड मत करो, हम दोनों मिल कर कोई औनलाइन गेम खेलते हैं.'' अपनी चोरी पकड़ते देख विवेक बुरी तरह झेंप गया. डरतेडरते उस ने पूछा,'' कौन सा औनलाइन गेम? मुझे तो कुछ नहीं मालूम.''

''वही जो तुम अपनी औनलाइन क्लास में हर दिन खेलते हो,'' उस की मां ने मुसकराते हुए कहा. विवेक शर्मिंदा हो कर सकपका गया. उस की मां ने कहा, ''देखो विवेक, एडवांस टैक्नोलौजी की वजह से ही लौकडाउन के दौरान भी औनलाइन क्लास ले सकते हैं वरना जरा सोचो तो क्या होता,'' विवेक गरदन झुकाए मम्मी की बात सुन रहा था.

''तुम एक अच्छे और समझदार बच्चे हो, अपने मनोरंजन के लिए यों पढ़ाई के समय गेम खेल कर तुम सिर्फ खुद का नुकसान कर रहे हो, इस का नतीजा है तुम्हारी गिरती हुई रैंक. अब तुम्हें डिसाइड करना है कि टैक्नोलौजी की मदद से हमें अपनी क्रिएटिविटि बढ़ानी है या घटानी है,'' कहते हुए मम्मी किचन में जाने के लिए मुड़ीं.

यह सुन कर विवेक घबरा गया और उस ने अब क्लास में पढ़ाई पर पूरा ध्यान दिया. वह समझ चुका था कि औनलाइन पढ़ाई का मतलब है अपनी पढ़ाई औन ए लाइन रखना. वह जानता था कि उसे मां औनलाइन गेम खेलने की थोड़ी देर के लिए परमिशन देती थीं.

उस के पेरैंट्स अब उस की परफौर्मेंस से खुश थे. ●

बताओ तो जानें

1. रोज सुबहसवेरे चलता है
सारे घर में घूमघूम कर
साफसफाई करता है
फिर कोने में खड़ा हो जाता है.

2. बिल्ली की तरह है मेरा सिर
बिल्ली जैसी ही है आदत
बिल्ली जैसे ही हैं कान मेरे
लेकिन मैं बिल्ली हूं नहीं.

3. आग लगे तो पानी बहे
पानी गिर कर जम जाए
दूसरों को दे रोशनी
अपना बदन गलाती जाए.

4. पांव नहीं पर चलती जाए
जल व थल में रहे समाए
जल्दी से तुम नाम बताओ
वरना अवसर बीता जाए.

देखें तुम कितना जानते हो

1. किस मौसम में पृथ्वी सूरज के सब से निकट होती है?
(क) गरमी
(ख) जाड़ा
(ग) वसंत
(घ) पतझड़

2. पृथ्वी पर कौन सी गैस सब से ज्यादा प्रचुरता में पाई जाती है?
(क) हाइड्रोजन
(ख) औक्सीजन
(ग) नाइट्रोजन
(घ) कार्बनडायऔक्साइड

3. भारत के किस शहर को नबाबों का शहर कहा जाता है?
(क) कानपुर
(ख) मुंबई
(ग) जयपुर
(घ) लखनऊ

4. 1936 में स्थापित कौन सा पार्क भारत का पहला नैशनल पार्क है?
(क) बांधवगढ़ नैशनल पार्क
(ख) जिमकौर्बेट नैशनल पार्क
(ग) इंद्रावती नैशनल पार्क
(घ) गिर नैशनल पार्क

उत्तर (बताओ तो जानें) : 1- झाड़ू, 2-खिलौना (बिल्ली का बच्चा), 3-मोमबत्ती, 4-रेखा.
उत्तर (देखें कितना जानते हो?) : 1-क, 2-ग, 3-घ, 4-ख.

रास्ता बताओ

पता करें कि कौन सा खजाना किस का है?

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

एक नई भाषा

कहानी ● मेघा कदम

चंपकवन स्कूल में इंटरनैशनल मदर लैंग्वेज डे यानी अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए एक पात्रता प्रतियोगिता की घोषणा की गई थी.

पिकू तोता, ब्लैकी भालू, बैडी लोमड़ी, जंपी बंदर, डमरू गधा, चीकू खरगोश और डिना हिरण ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला किया.

हर कोई इस बारे में ही बातें कर रहा था, क्योंकि वे सभी इस को ले कर उत्साहित थे.

जब डिना हिरण अपने दोस्तों के साथ इस बारे में बातें कर रही थी, तो उस ने ऐली हाथी को एक कोने में शांत बैठे देखा. वह उदास था. डिना कारण जानती थी, ऐली आंशिक रूप से बहरा होने के साथसाथ गूंगा भी था.

हर कोई उत्साहित हो कर प्रतियोगिता के बारे में बातें कर रहा था, लेकिन ऐली चर्चा का हिस्सा नहीं बन सकता था, क्योंकि वह बोलने में असमर्थ था.

डिना के अन्य दोस्त विचारों में इतने खोए थे कि वे ऐली के बारे में बिलकुल भूल ही गए.

ऐली ने खुद को हमेशा अकेला ही पाया. कभी भी किसी ने उस से बातें नहीं कीं. सिर्फ डिना हिरण ही उस की सब से अच्छी दोस्त थी. हालांकि वह हंसमुख था, लेकिन फिर भी ऐली चुप रहने में ही भलाई

समझता था. वह अपने आप में मस्त रहता था.

डिना को दुख महसूस हुआ और उस ने उसे दिलासा देने की कोशिश की, ''ऐली, मैं समझ सकती हूं कि तुम अच्छा महसूस नहीं कर रहे हो, तुम हमेशा हंसते रहते हो, लेकिन जब से मिस डोरा ने प्रतियोगिता के आयोजन की घोषणा की है, मैं देख रही हूं कि तब से तुम परेशान लग रहे हो.''

ऐली ने निराशाभरी नजरों से डिना को देखा. डिना आसानी से उस की आंखों से उस के दर्द को महसूस कर सकती थी.

डिना ने कहना जारी रखा, ''ऐली, भाषा सिर्फ हम मुंह से नहीं बोलते बल्कि अपने दिल से भी बोलते हैं. हम केवल दूसरों से नहीं बल्कि खुद से भी बातें किया करते हैं. यहां बात हमारी मातृभाषा यानी मदर लैंग्वेज में बोलने और समझने की है, न कि इस के बजाय सिर्फ यह सोचने की कि दूसरी भाषा ज्यादा महत्त्वपूर्ण है.''

ऐली ने धैर्य से सुना. डिना ने कहा, ''तुम्हें इस बात को ले कर कि तुम बोलने में सक्षम नहीं हो, बुरा महसूस नहीं करना चाहिए.'' ऐली ने सिर हिलाया. वह उस की बातों से आश्वस्त था. वह अपनी आंखों में चमक के साथ मुसकराया और डिना उसे फिर से मुसकराता देख कर खुश थी.

पात्रता प्रतियोगिता के दिन, टीचर ने घोषणा की, ''प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्त्व के बारे में भाषण देना है. उन्हें यह भी बताना है कि वे कौन सी नई भाषा सीखना चाहते हैं, ताकि वे कुछ अन्य भाषा संस्कृति को समझ सकें.''

हर एक को यह बात बहुत ही दिलचस्प लगी. प्रत्येक प्रतिभागी ने आगे आ कर अपनेअपने विचार प्रकट किए. अन्य छात्रों ने तालियां बजा कर उन की हौसला अफजाई की.

अब डिना की बारी थी.

''सुप्रभात, शिक्षको और मेरे साथी छात्रो, हमारी मातृभाषा वह भाषा है जिसे हम पैदा होने के बाद सब से पहले सुनते हैं. भाषा के स्वर, लय और मधुरता हमारे दिमाग में ऐसे अंकित हो जाते हैं कि ये दिमाग से दिल में बड़ी आसानी से उतर जाते हैं.

''इस दिन का महत्त्व ऐसा है कि इसे हम अपनी मातृभाषा में प्रतिबिंबित कर सकते हैं और यह कैसे हमारे व्यक्तित्व को आकार देता है, बता सकते हैं.

''हमारी भाषा हमारी पहचान और संस्कृति का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है. वे कहानियों के समृद्ध स्रोत भी

होते हैं. इन में कहावतों और मुहावरों की भी भरमार होती है. इसलिए मैं ने निर्णय किया है कि मैं अपनी मातृभाषा में ज्यादा से ज्यादा कहानी की किताबें पढ़ूंगी जितना मैं पढ़ सकती हूं.

''और यदि मुझे कोई नई भाषा सीखनी पड़ी तो मैं ऐली की भाषा सीखना चाहूंगी.''

टीचर्स और स्टूडैंट्स डिना की बात को सुन कर दंग रह गए. ''ऐली की भाषा? यह क्या बात कर रही थी?'' सब के सब हैरानपरेशान हो गए थे.

डिना ने कहा, ''ऐली की भाषा यानी मेरे कहने का मतलब सांकेतिक भाषा से है ताकि मैं आसानी से ऐली से बातें कर सकूं. वह हियरिंग ऐड की सहायता से हमें थोड़ा सा ही समझ सकता है, लेकिन वह हम से संवाद नहीं कर सकता.

''अगर मैं सांकेतिक भाषा सीख लेती हूं तो हम एकदूसरे के साथ बड़ी आसानी से संवाद कर सकते हैं.

''मैं नहीं चाहती कि वह बोल न पाने से अकेलापन महसूस करे. मैं वास्तव में सांकेतिक भाषा की खोज करना चाहूंगी.

''मैं अपना भाषण नैल्सन मंडेला के इस कथन के साथ समाप्त करूंगी कि यदि आप किसी से एक भाषा में बातें करते हैं जिसे वह समझता है, तो उस के दिमाग में बैठ जाता है, लेकिन यदि आप उस से उस की भाषा में बातें करते हो तो वह उस के दिल में बैठ जाता है.''

हर एक ने डिना की सराहना करनी शुरू कर दी. शिक्षकों को उस पर गर्व हो रहा था. ऐली डिना की बातों से हैरान था और उस ने आंखों से आभार जताते हुए उसे दिल से धन्यवाद कहा.

डिना को प्रतियोगिता के परिणामों में कोई दिलचस्पी नहीं थी, क्योंकि उस ने तो पहले ही सभी के दिलों को जीत लिया था, साथ में ऐली का दिल भी, क्योंकि वह उस की सब अच्छी दोस्त तो पहले से ही थी. ●

मजेदार विज्ञान

धुएं को लिक्विड में बदलें

हवा के गुणों की खोज करें, आइए, जानते हैं, कैसे?

आप को चाहिए :

- फौइल
- एक गिलास जिसे फ्रिज में 2 घंटे तक ठंडा किया हो
- माचिस
- एक पैन
- कैंची.

ऐसा करें :

1. माचिस की तिल्लियों को फौइल पर रखें, जैसा यहां दिखाया गया है और इस के नीचे पैन रख दें.

2. फौइल को सख्ती से रोल कर दें. पैन माचिस की तिल्लियों को अपने स्थान पर थामे रखेगी.

3. माचिस की तिल्ली के ऊपर फौइल के एक छोर को सील करने के लिए दबा दें. पैन को धीरेधीरे इस से निकाल लें.

4. ठंडे गिलास के अंदर फौइल को रख दें. बंद छोर ऊपर की ओर होना चाहिए जैसा चित्र में है.

5. एक वयस्क से कहें कि माचिस की तिल्लियां जो कि फौइल से ढकी हैं, गरम करने के लिए लाइटर का इस्तेमाल करें. जब माचिस की तिल्ली जल उठे तो फौइल को हटाएं.

6. गिलास से धुआं बाहर निकालें.

देखें :

जब माचिस की तिल्ली जल उठती है तो यह फौइल के अंदर आग लगाती है और बहुत सा धुआं पैदा करती हैं जो फौइल के नीचे से निकलता है. जब आप गिलास को झुकाते हैं, तो धुआं तरल यानी लिक्विड की तरह बाहर निकलने लगता है.

सोचें :

धुआं एक तरल यानी लिक्विड की तरह क्यों बह कर बाहर निकलता है?

जब हवा को गरम किया जाता है, तो इस के अणु तेजी से घूमना शुरू कर देते हैं और उन के बीच की जगह फैलने लगती है. लेकिन जब हवा को ठंडा किया जाता है तो अणु ज्यादा घूमफिर नहीं पाते और उन के बीच की जगह कम हो जाती है. ठंडी हवा के अधिक से अधिक अणु गरम हवा की तुलना में एक स्थान में फिट हो सकते हैं, जो इसे भारी बना देते हैं. यही कारण है कि ठंडी हवा डूब जाती है और गरम हवा ऊपर उठती है.

हमारे इस प्रयोग में जब माचिस की तिल्ली जलती है तो गरम धुआं तल से बाहर निकलता है और गिलास की ठंडी हवा के साथ मिक्स हो जाती है. इस से धुआं और ठंडी हवा के अणु आपस में मिक्स हो जाते हैं, इस वजह से धुआं भारी हो जाता है और गिलास में डूब जाता है चूंकि यह भारी होता है, इसलिए जब गिलास को एक ओर झुकाते हैं तो यह लिक्विड की तरह बहता हुआ दिखाई देता है.

पता करें :

हवा कैसे बनती है?

वातावरण में ठंडी और गरम हवा की हलचल की वजह से हवा का निर्माण होता है. जब हवा को गरम किया जाता है तो वह ऊपर की ओर उठती है और चारों ओर की ठंडी हवा इस रिक्त स्थान को भरने के लिए दौड़ती है. ऐसा हर जगह लगातार होता रहता है और इसीलिए हवा चलती है और बनती है.

याददाश्त बढ़ाएं

15 फरवरी को विश्व हिप्पो डे यानी दरियाई घोड़ा दिवस मनाया जाता है. नीचे चित्र को देखिए और निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

प्र.1. आप कुल कितने दरियाई घोड़ों की गिनती कर सकते हैं?
प्र.2. पानी में कितने दरियाई घोड़े हैं?
प्र.3. वे क्या खा रहे हैं?
प्र.4. दरियाई घोड़े जब लड़तेझगड़ते हैं तो उस वक्त वे क्या करते हैं?

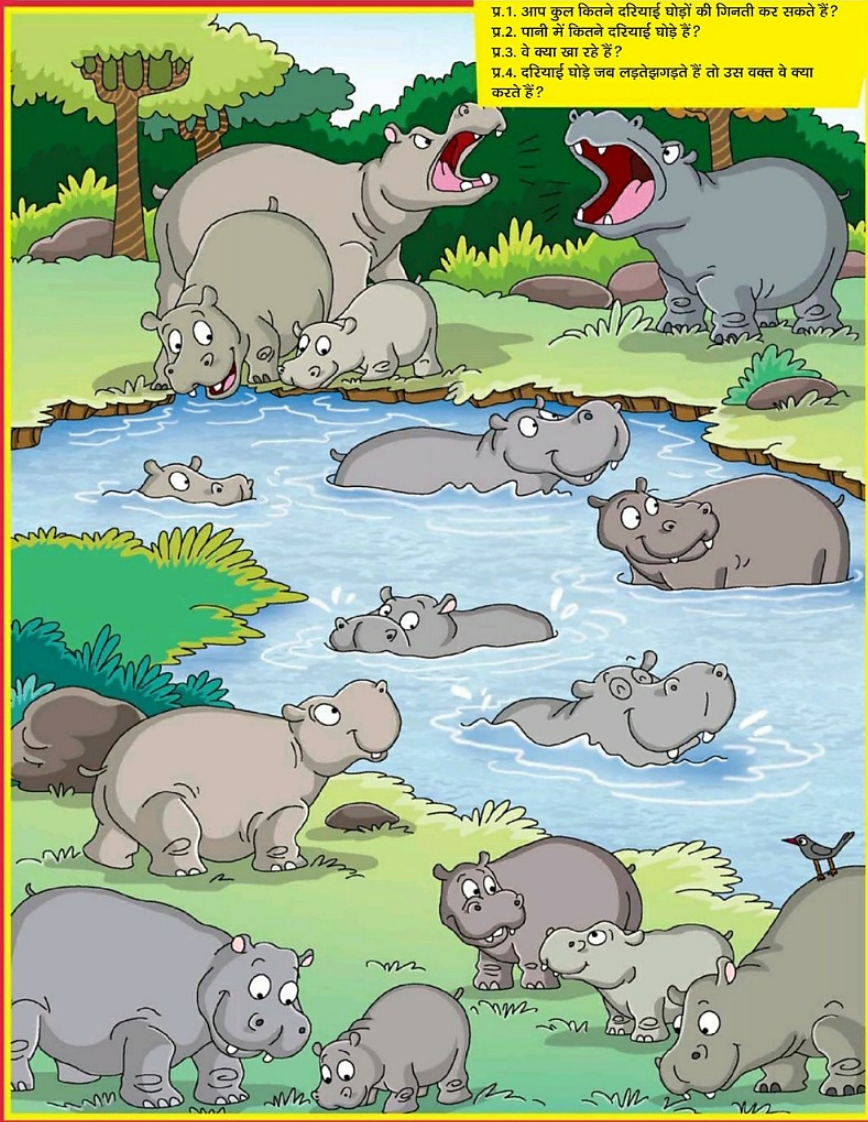

पता लगाएं

नीचे चित्र को देखें, वस्तुओं की गिनती करें और दिए गए बौक्स में उन की कुल संख्या को लिखें.

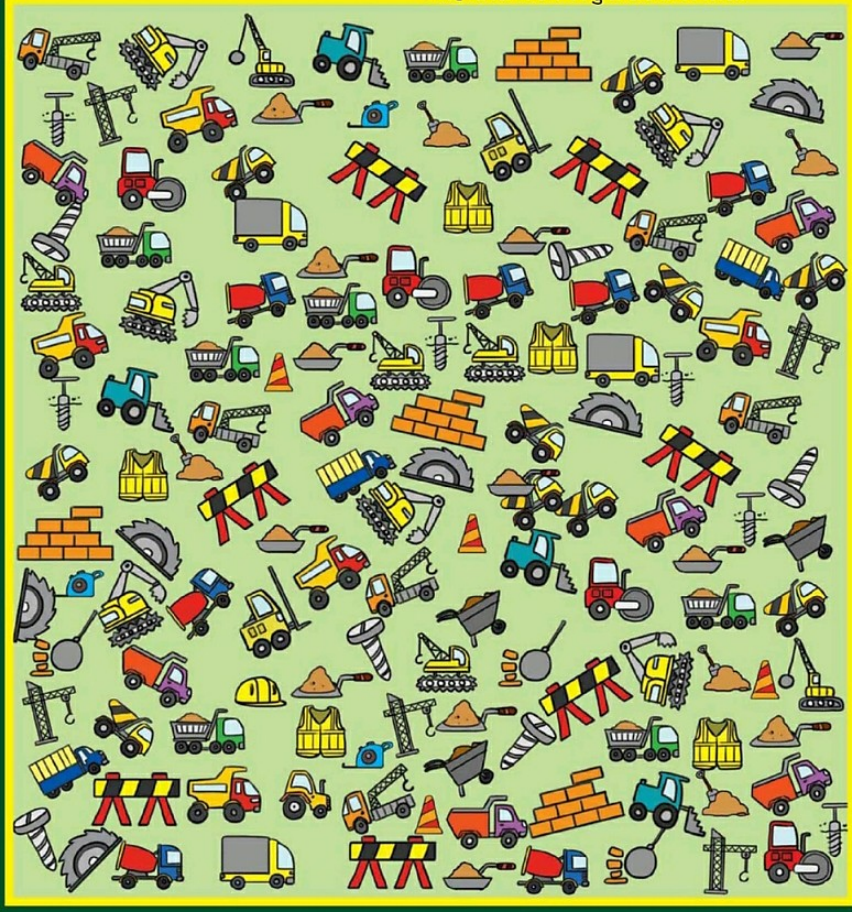

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

तरुण और गुलाब

कहानी ● दीपा शाह

''मां, मैं वादा करता हूं कि मैं ने डोरबैल नहीं बजाई.''

लेकिन किसी को भी तरुण पर विश्वास नहीं था, क्योंकि वह अकसर शरारत करता था. इसलिए उन की बुजुर्ग पड़ोसी मिसेज रमा के लिए स्वाभाविक था कि वह उस पर संदेह करें.

''इस सप्ताह चौथी बार किसी ने डोरबैल बजाई है. मैं अपने सूजे हुए घुटनों की वजह से उठ नहीं सकती. दरवाजे पर कोई नहीं है,'' झुंझलाहट से मिसेज रमा की आवाज कांप रही थी.

''इस बार, मैं ने नहीं किया, मैं वादा करता हूं, पिछले सप्ताह डोरबैल मैं ने बजाई थी, लेकिन मैं अकेला नहीं था,'' मिसेज रमा भूखी शेरनी की तरह उस पर झपट पड़ी.

''देखो, देखो, यह इसे स्वीकार कर रहा है,'' मिसेज रमा यह बात सही साबित होने पर उल्लास से भर गई थी. तरुण ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए अभी अपने होंठ खोले ही थे कि गुस्साई मां ने उसे उन से माफी मांगने के लिए मजबूर किया और उसे खींच कर घर ले आईं. यहां उसे 15 मिनट के लिए डांट पड़ी. जैसा तरुण ने कहा था, ''मां, मैं ने इस बार घंटी नहीं बजाई,'' इसे दोहराती हुए मां उस की धुनाई कर रही थी, बेचारे तरुण की हालत दहाड़ती हुई शेरनी के आगे एक निहत्थे मेमने जैसी थी.

''अगली बार पापा तुम से निबटेंगे,'' उन्होंने उसे चेताया. पापा बहुत सख्त थे, तरुण यह जानता था. मां ने उसे हालिया अपराध के लिए दंडित किया था और तरुण को शाम 4 से 5 बजे के बीच खेलने की अनुमति नहीं थी, जैसा वह आमतौर पर स्कूल के दिनों में खेला करता था. उस के लिए यह दुख की बात थी. सोनू अपने सब से अच्छे दोस्तों को साइकिलिंग प्रतियोगिता जीतने के बाद मिली पुरस्कार राशि से दावत दे रहा था यानी जो राशि उसे मिली थी उस पर सभी को ध्यान केंद्रित करने को कह रहा था. तरुण इस दावत से चूक गया. अपने अच्छे इरादों के बावजूद सोनू तरुण को अगले दिन दावत नहीं दे सका था, क्योंकि वह खेलपार्लर में ज्यादा समय बिताता था.

एक सप्ताह बीत गया. मिसेज रमा के बगीचे में एक खूबसूरत गुलाब खिला था. वह बहुत बड़ा और मजेदार था. तने ने बोन्साई सरू के पत्ते के माध्यम से खुद को जोर से दबाया था, इसलिए यह ऐसा लग रहा था जैसे सनकी मूड में एक पेड़ हो और इस का खिलना अनमोल हो. यह इतना बड़ा और लाल था कि तरुण जैसा जो फूलों का बहुत बड़ा प्रशंसक भी नहीं था, उस ने भी इसे देखा. रविवार का दिन था और तरुण अपनी साप्ताहिक कराटे क्लास में सुबह के समय जा रहा था. वह अपनी आयुवर्ग का एक स्टार शिष्य था और अपने साप्ताहिक पाठ्यक्रम को बहुत पसंद करता था. तरुण बहुत अच्छा लड़का था. पढ़ाई के लिए वह बहुत उत्सुक नहीं था. हाथी की तरह उस की स्मरणशक्ति शानदार थी. जैसे हाथी अपने एहसान

और अपमान को नहीं भूलता, तरुण वैसा ही था.

जब तरुण ने टकटकी लगाए गुलाब को देखा तो एक शरारती भाव उस के चेहरे पर उभर आया. अगले ही पल वह छोटे से बगीचे में दीवार फांद कर चला गया. उस ने तने से गुलाब को तोड़ कर निकाला और फिर अपनी कराटे क्लास की तरफ फूल की पंखड़ियों को एक बहती हुई नाली में फेंकते हुए भागा.

लेकिन बड़ी अजीब बात थी. तरुण ने बदला लेने की इस भावना से अच्छा महसूस नहीं किया. वह अपनी कराटे क्लास का आनंद नहीं ले सका. उस ने बेचैनी महसूस की और चाहा कि क्लास खत्म हो जाए. कोच की बातों पर ध्यान न देने के कारण उस को दो बार डांट पड़ी. हर कोई हैरान था, क्योंकि कराटे में उस के कौशल से सभी उस की प्रशंसा करते थे.

क्लास समाप्त होते ही तरुण अपने पैरों को घसीटता हुआ चला गया. उस ने कल्पना करते मिसेज रमा को अपने सूजे हुए घुटनों के साथ तुलसी के पौधों में पानी देने के लिए बाहर निकलते देखा और वह बिना गुलाब के तने को देखने की कल्पना करता रहा. उस

ने उन के गुस्सा होने की भी कल्पना की.

उस ने मिसेज रमा को अपने बगीचे में देखा, लेकिन वह गुस्से में नहीं थीं. वह फूल के तने को जिस में अब फूल नहीं थे, उंगलियों से दबाती हुई चिल्ला कर रो रही थीं. वह अकेली रहती थीं और अपने पौधों को बहुत प्यार करती थीं. तरुण ने जो काम किया था, उस के बदले वह अब कोई भी मदद नहीं कर सकता था. गेट की ओर से सही ढंग से जाने के बजाय वह एक बार फिर दीवार फांद कर अंदर चला गया और जब उन्होंने उस के पीले मुरझाए चेहरे को देखा, तो उस ने डंठल की तरफ और फिर खुद की ओर इशारा किया. इस के बाद एक पल में ही उस ने

एक अजीब काम किया, वह दहाड़े मार कर रोने लगा. इस से भी अजीब बात तो यह थी कि मिसेज रमा ने उसे अपनी बाहों में भर लिया और उस के शरीर को जकड़ कर अपने करीब थामे रखा. वह उस के सिर को थपथपा रही थीं और कोमलता के साथ उन्होंने उसे यह कहते हुए विदा किया, ''ऐसा फिर मत करना.''

मिसेज रमा ने उस के अपराध का खुलासा नहीं किया और वास्तव में चोरी हुए गुलाब के रहस्य को भुला दिया. उस दिन के बाद अब आगे तरुण मिसेज रमा की डोरबैल की निगरानी एक पहरेदार की तरह करने लगा और बिना जरूरत के डोरबैल बजा कर बूढ़ी महिला को तंग करने की फिर कभी किसी ने हिम्मत नहीं की. ●

चीकू

चित्रकथा : दास

मीकू, यहां अकेले लेटे क्या सोच रहे हो?

मैं एक कविता लिखने के बारे में सोच रहा हूं.

कविता? क्या तुम ने किसी चीज के बारे में अब तक सोचा है या सिर्फ तुम अभी तक अपना सिर ही फोड़ रहे हो?

अभी तक तो नहीं सोचा. कुछ विचार आते हैं तो कुछ चले जाते हैं.

तभी डिंकू गधा वहां आ गया.
इन दिनों जिसे भी देखो, वही कविता लिख रहा है. ऐसा लगता है कि कविताओं की सुनामी आने वाली है.

और कौन है जो इन दिनों कविताएं लिख रहा है?

वह बिल्ली. उस ने भी एक कविता लिखी है.

बिल्ली ने एक कविता लिखी है?

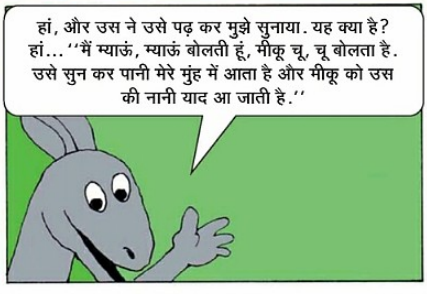
हां, और उस ने उसे पढ़ कर मुझे सुनाया. यह क्या है? हां... ''मैं म्याऊं, म्याऊं बोलती हूं, मीकू चू, चू बोलता है. उसे सुन कर पानी मेरे मुंह में आता है और मीकू को उस की नानी याद आ जाती है.''

अरे, उसे म्याऊं, म्याऊं जिंदगी भर बोलते रहने दो. लेकिन वह कभी भी मुझे पकड़ नहीं सकेगी.
तुम्हें अब भाग लेना चाहिए. वह दौड़ने में बहुत तेज है और तुम सुरक्षित नहीं हो.
उस के बारे में भूल जाओ. हम उसे हरा देंगे. डिंकू और कौन है जो इन दिनों कविताएं लिख रहा है?
हां, हां, मैं हूं, कविता लिख रहा हूं?
तुम कविता लिख रहे हो?
हां, इसे सुनो. इस कविता का शीर्षक है, ''ढिंचू ढेंचू'' सुबह से शाम तक मुझे काम ही काम है. मैं सुस्ताता हूं कभी नहीं. मेरे मालिक को मुझ में दिखता है सिर्फ एक दोष, दर्द में मैं करता हूं, ''ढिंचू ढेंचू.''
यह तो बिलकुल ही दिल को छूने वाली कविता है.
डिनो कुत्ता भी उन के समूह में आ गया.
वे रात में हैं सोते और दिन के दौरान आलसी लोग सोते हैं हरवक्त. अगर बन जाए हर कोई उन के जैसा, तो दुनिया का हो जाए कबाड़ा.
डिनो ने भी कविता लिखी है.
हां, और तुम्हारे पास लिखने को कुछ भी नहीं है.
चलो, हम साथ मिल कर सोचते हैं. हो सकता है, तब हमें कोई आइडिया मिल जाए.

बिंदु मिलाओ

अंकों के अनुसार बिंदुओं को मिलाएं और चित्र पूरा करें.

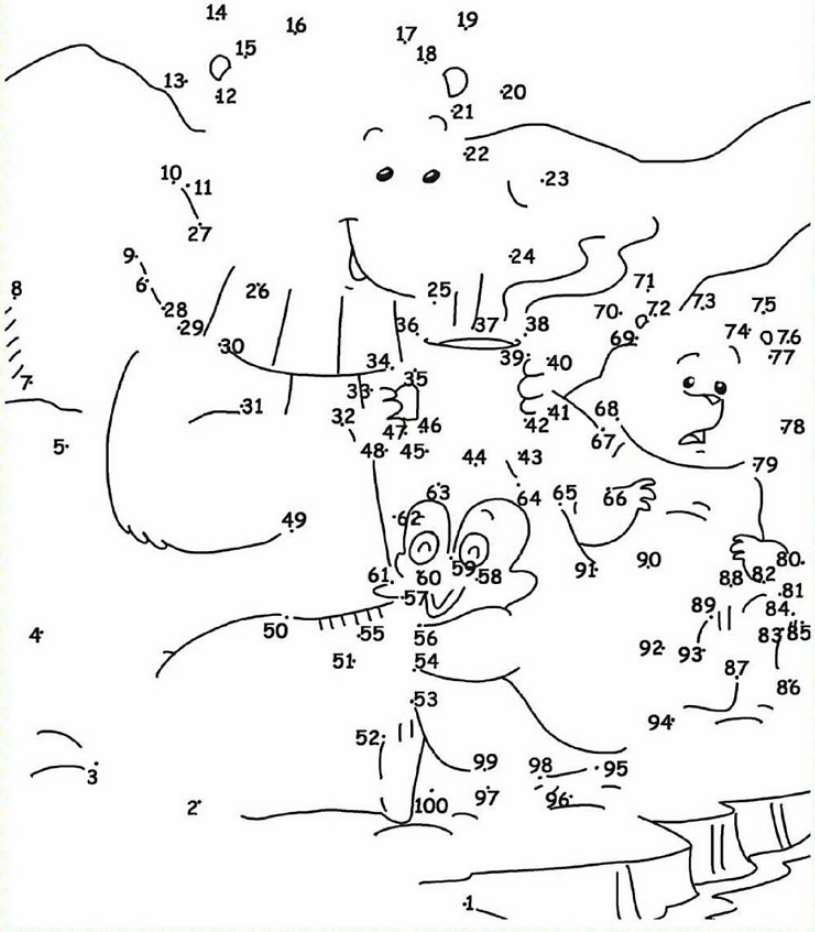

छिपे चित्र ढूंढ़ें

20 फरवरी को विश्व पैंगोलिन दिवस मनाया जाता है. इस का उद्देश्य विलुप्त होने की स्थिति में आ चुके पैंगोलिनों की सुरक्षा के लिए जागरूकता पैदा करने की है. पैंगोलिन धरती पर एकमात्र शल्की स्तनधारी हैं जो अफ्रीका और एशिया में पाए जाते हैं. 10 पैंगोलिनों को ढूंढ़ें.

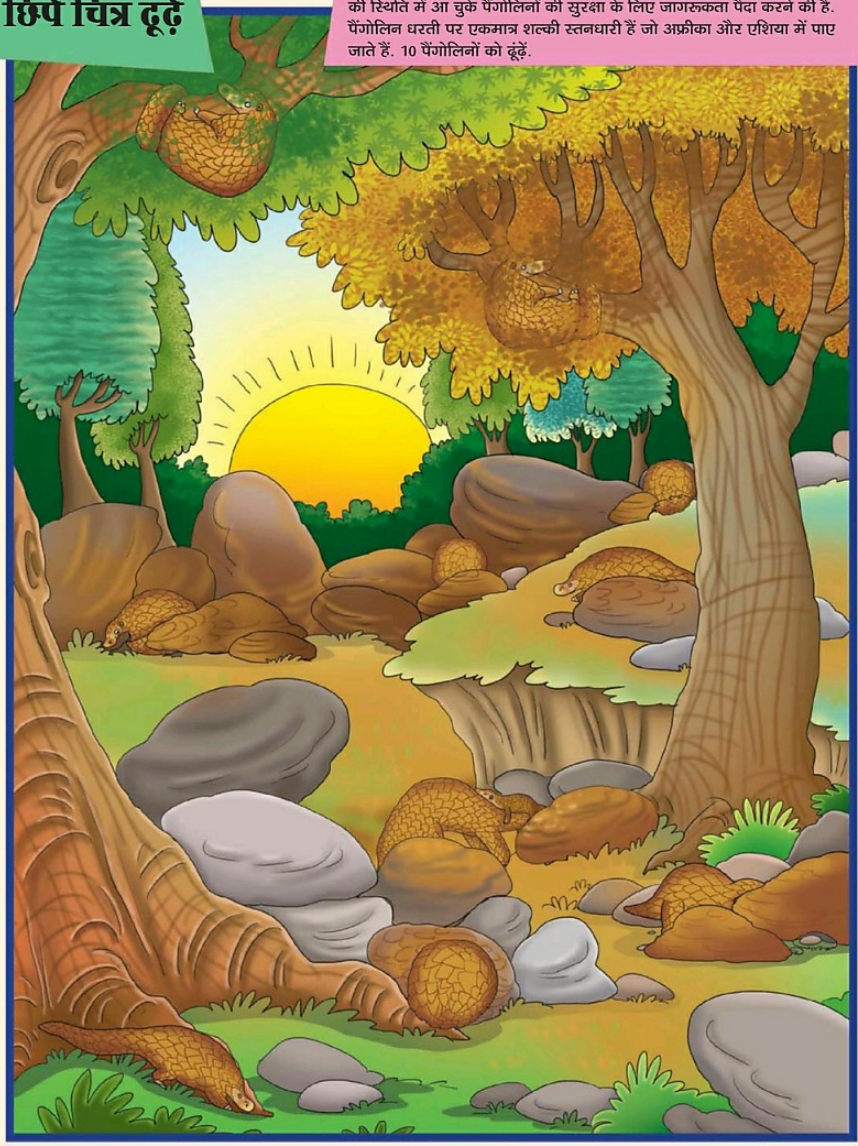

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

आ गई वैक्सीन

कहानी ● डा. के. रानी

दीया के पापा हर्ष टैलीविजन पर न्यूज़ देख रहे थे. यह उन की रोज की दिनचर्या थी. वे एक सरकारी अस्पताल में फार्मासिस्ट थे. आज न्यूज सुनते ही वे खुशी से उछल पड़े. दीया उन के पास खड़ी थी. उस ने जिज्ञासावश पूछा, ''क्या हुआ पापा? आज आप न्यूज सुन कर बहुत खुश दिखाई दे रहे हैं.''

''हां, बात ही कुछ ऐसी है. तुम भी सुनोगी तो उछल पड़ोगी. हमारे देश ने कोविड-19 की वैक्सीन सफलतापूर्वक बनाई है और अभीअभी प्रधानमंत्री ने टीवी पर इस की घोषणा की है,'' हर्ष ने उत्साह से कहा.

''क्या आप सच कह रहे हैं पापा,'' दीया ने पूछा.

''हां, एकदम सच. तुम भी टीवी पर सुन सकती हो,'' हर्ष ने कहा.

''यह महामारी से छुटकारा ही नहीं देगा बल्कि

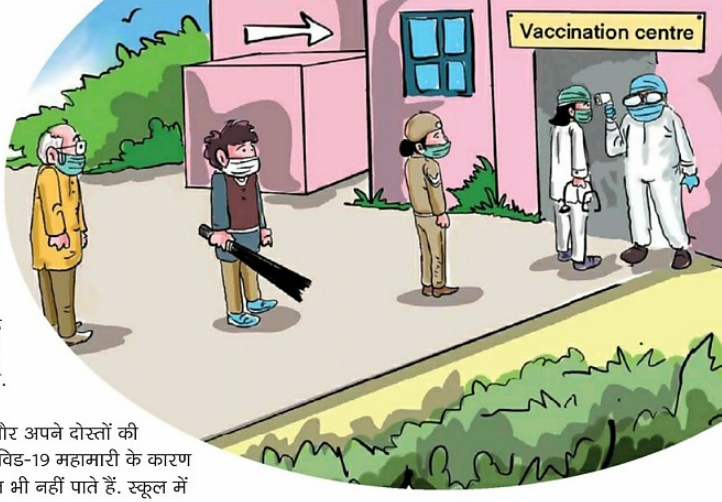

हमारी रक्षा भी करेगा,'' हर्ष बोले.

दीया ने उत्साहित हो कर पूछा, ''पापा, तब तो मेरा स्कूल भी फिर से खुल जाएगा.''

''जरूर खुलेगा. लगता है तुम्हें स्कूल की याद आने लगी है,'' हर्ष मुसकराया.

''हां, पापा, मुझे स्कूल और अपने दोस्तों की बहुत याद आ रही है. कोविड-19 महामारी के कारण हम सभी दोस्त साथ खेल भी नहीं पाते हैं. स्कूल में साथ मिल कर खेलने में बहुत मजा आता था,'' दीया ने जवाब दिया.

''बस, अब परेशानी का दौर खत्म होने वाला है. कुछ समय बाद ही तुम्हें फिर से स्कूल और यहां तक कि घूमनेफिरने की भी अनुमति मिल जाएगी.''

''पापा, क्या यह वैक्सीन हमारे देश के वैज्ञानिकों ने बनाई है?'' दीया ने पूछा.

''हां, इस महामारी से निबटने के लिए हमारे देश की कई कंपनियां वैक्सीन बनाने में जुटी हुई हैं. इन में से 'कोविशील्ड नाम की वैक्सीन सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा विदेशी सहयोग से बनाई जा रही है, जबकि एक अन्य को भारत बायोटैक कंपनी द्वारा बनाया जा रहा है. यह पूरी तरह स्वदेशी है. हमारे देश में अभी 3 कंपनियों को इस के निर्माण के लिए हरी झंडी मिली है. इस के अलावा 5 और कंपनियों में भी यह वैक्सीन परीक्षण के अंतिम चरण में है,'' हर्ष ने समझाया.

''लेकिन पापा, इन में से कौन सी वैक्सीन सब से अच्छी होगी? हम कैसे तय करेंगे?'' दीया ने पूछा.

''वह वैक्सीन जो सब से अच्छी मानी जाती हो और सुरक्षित और असरदार भी हो, जिस से कम से कम मौतें हों. वह संक्रमण की चेन को तोड़ने वाली हो तथा उस से सौ प्रतिशत संक्रमण भी रुक जाए. अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता. यह तो टीकाकरण के परिणाम आने के बाद ही पता चल सकेगा,'' हर्ष ने समझाया.

''पापा, हमें टीका कब लगेगा?'' उस ने पूछा.

''अभी हमें थोड़ा सा इंतजार करना होगा. सब से पहले इसे उन लोगों को लगाना बहुत जरूरी है, जो महामारी से दूसरों के बचाव में दिनरात काम कर रहे हैं. सब से पहले यह वैक्सीन स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और गंभीर रूप से बीमार सीनियर सिटीजन को लगेगी. उस के बाद हम सब का नंबर आएगा,'' हर्ष ने बताया.

''मुझे तो इंजैक्शन देख कर बहुत डर लगता है पापा,'' दीया ने कहा.

''हां, मुझे मालूम है, लेकिन इस का इंजैक्शन बहुत पतला है और इस की सिरिंज भी खास किस्म की है. केवल एकचौथाई मिलीलिटर खुराक ही पतली सुई

से बाजू में लगाई जानी है. इस में डरने वाली कोई बात नहीं है,'' हर्ष ने उसे आश्वस्त किया.

''पापा, एक बार टीका लगने के बाद हमें इस महामारी से फिर खतरा तो नहीं रहेगा?'' उस ने पूछा.

उन्होंने बताया, ''यह टीका 4 हफ्ते के अंतराल के बाद दोबारा फिर लगेगा. शोध तो यही बताते हैं कि इस बीमारी से बचने के लिए टीका लगाना जरूरी है. बाकी सब तो इस के रिजल्ट आने पर पता चलेगा,'' हर्ष ने समझाया.

दीया ने कहा, ''लगता है पूरे विश्व में हमारे देश में ही यह वैक्सीन सब से पहले लगाई जाएगी.''

''नहीं दीया, ऐसा नहीं है, इंगलैंड में टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो गई है. उन के लिए अमेरिका की फाइजर कंपनी ने इस वैक्सीन को तैयार किया है और वहां लोगों को यह लगनी शुरू हो गई है,'' हर्ष ने बताया.

''तो पापा, हमारा देश भी उन से यह वैक्सीन ले सकता है क्या?'' दीया ने पूछा.

''यह वैक्सीन हमारे देश की परिस्थितियों से मेल नहीं खाती. इसे बहुत कम तापमान यानी माइनस 70 डिग्री पर रखना है. इसे हमारे देश में आम लोगों तक पहुंचाना एक बहुत बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि हमारे देश में ऐसी मूलभूत सुविधाएं बहुत कम हैं. हमारे देश में बनी वैक्सीन इस के मुकाबले सस्ती है. तुम्हें पता है कि अब रूस में भी टीकाकरण की शुरुआत होने जा रही है,'' हर्ष ने समझाया.

''मुझे तो खुशी इस बात की हो रही है कि हमारे देश में यह वैक्सीन बन कर तैयार हो गई है और बहुत जल्दी लोगों को यह उपलब्ध हो जाएगी. लेकिन पापा, इसे बनाने में इतना समय क्यों लगा?'' दीया ने उत्सुकता से पूछा.

''इस में समय ज्यादा कहां लगा? मात्र 10 महीने में इस वैक्सीन को तैयार कर लिया गया है वरना वैक्सीन विकसित करने में तो बरसों लग जाते हैं. इसे बनाने में दुनिया के सब देशों ने एकसाथ मिल कर काम किया है तभी यह वैक्सीन इतनी जल्दी बन पाई है. तुम्हें पता है पोलियो का टीका विकसित करने में पूरे 45 वर्ष लगे थे,'' हर्ष ने बताया.

''पापा, इनसानों के लिए वैक्सीन बनाने से पहले क्या इस का परीक्षण जीवजंतुओं और उस के बाद इंसानों पर किया जाता है?'' दीया ने पूछा.

''ताकि इंसान को किसी तरह का नुकसान न हो इसीलिए इंसानों पर परीक्षण से पहले इन का परीक्षण जीवजंतुओं पर किया जाता है,'' हर्ष ने कहा.

''पापा, जिन लोगों पर इस का परीक्षण किया गया उन्हें डर नहीं लगा?'' दीया ने पूछा.

''इस में डरने वाली कोई बात नहीं है. बहुत सोचसमझ कर ही वैक्सीन तैयार होने के बाद वैज्ञानिकों द्वारा बड़ी सावधानी से परीक्षण और अध्ययन करने के बाद इंसानों पर इस का परीक्षण किया जाता है. यह 95 प्रतिशत कारगर है. बाकी परिणाम तब आएंगे जब बहुत सारे लोगों को यह टीका लगाया जाएगा,'' हर्ष ने उस से कहा.

''पापा, इस वैक्सीन को हरेक तक पहुंचाने में तो बहुत समय लग जाएगा. हो सकता है हमारा भी नंबर बहुत देर में आए,'' उस ने कहा.

''हमारे देश में टीकाकरण का नैटवर्क बहुत अच्छा है, इसीलिए आम लोगों तक टीका पहुंचाने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा. स्वदेशी वैक्सीन को 2 से 8 डिग्री सैंटीग्रेड तापमान पर आसानी से रखा जा सकता है. इसे इधरउधर ले जाने में भी ज्यादा दिक्कत नहीं होगी,'' हर्ष ने समझाया.

''और पापा, टीकाकरण अभियान शुरू करने से पहले लोगों को भी तो कोविड-19 वैक्सीन के बारे में जागरूक करना होगा.''

दीया ने पूछा तो हर्ष हैरान हो कर उस का मुंह देखते रह गए. दीया जैसी छोटी बच्ची के मुंह से इतनी बड़ी बात सुन कर वे चौंक गए.

''यह बात तुम्हें कैसे पता चली?'' उस ने हैरान हो कर पूछा.

''स्कूल में मैडम ने बताया था कि सरकार किसी भी अभियान को चलाने से पहले उस का प्रचार करती है ताकि लोग उस के प्रति जागरूक हो जाएं,'' दीया ने जवाब ने दिया.

''तुम ने बिलकुल सही कहा बेटा,'' वह मुसकराया, ''कोई भी काम जब पहली बार शुरू किया जाता है तो उस के बारे में कई तरह की अफवाह फैलाई जाती है. अफवाहों को पढ़सुन कर अधिकांश लोग डर जाते हैं. उन्हें लगता है कि कहीं यह उन्हें फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान न पहुंचा दे,'' हर्ष ने उसे बताया.

''तो क्या इतने अच्छे काम का भी कुछ लोग दुष्प्रचार करेंगे?'' दीया ने पूछा.

छोड़ दें जो आज तक हम करते आए हैं.''

''मैं आप की बात समझी नहीं पापा.''

''अभी हमें दो गज की सामाजिक दूरी, मास्क तथा सैनिटाइजर का नियमित प्रयोग करना नहीं भूलना चाहिए. भीड़भाड़ वाली जगहों पर नहीं जाना चाहिए. इन से हम काफी हद तक अपने आप को इस महामारी से सुरक्षित करते आए हैं और आगे भी करेंगे.''

''कह नहीं सकते पर देखने में यही आया है. तुम्हें पता है, जब कोविड-19 वायरस के संक्रमण की शुरुआत में जांच की जा रही थी, तो लोगों ने अफवाहों की वजह से स्वास्थ्यकर्मियों को ही मारपीट कर भगा दिया था. कई जगहों पर पत्थर फेंक कर उन्हें घायल तक कर दिया गया था,'' उन्होंने बताया.

''हां, पापा, आप ठीक कहते हैं. हमें हमेशा अफवाहों से बचना चाहिए. इस के कारण लोग भ्रमित होते हैं और अभियान का पूरा फायदा लोगों तक नहीं पहुंच पाता. मैं तो अपने दोस्तों से कहूंगी कि इस तरह की अफवाहों पर बिलकुल भी ध्यान न दें.''

''आम जागरूक नागरिक को इस बात का जरूर ध्यान रखना चाहिए. अफवाह किसी भी कार्यक्रम को सफल बनने से रोक देती है,'' हर्ष ने कहा.

''मुझे तो बहुत खुशी है पापा, वैक्सीन बन कर तैयार हो गई है और वह भी अपने ही देश में.''

''वैक्सीन बनने का मतलब यह नहीं है बेटा कि हम कोविड-19 के प्रति लापरवाह हो जाएं और उन उपायों को

''जी, पापा. मैं यह खुशखबरी अपने दोस्तों को भी देती हूं.''

''हो सकता है, उन्होंने भी टीवी और अखबार में यह खबर देखसुन ली हो,'' हर्ष बोले.

''कोई बात नहीं पापा. मैं उन्हें वह सब बातें बताऊंगी जो आप ने मुझे बताई हैं. उन्हें भी सुन कर अच्छा लगेगा,'' इतना कह कर दीया ने खुशीखुशी मोबाइल उठाया और कोविड-19 वैक्सीन के बारे में मिली इतनी सारी जानकारी को अपने दोस्तों के साथ जल्दी से बांटना शुरू कर दिया. ●

छाया की खोज

28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस है. इसे भौतिक विज्ञानी सीवी रमन के सम्मान में मनाया जाता है जिन्हें प्रकाश के क्षेत्र में खोज के लिए भी जाना जाता है. नीचे चित्र को देखें और अनुमान लगाएं कि प्रत्येक वस्तु की छाया प्रकाश की स्थिति पर निर्भर करते हुए कहां पड़ेगी?

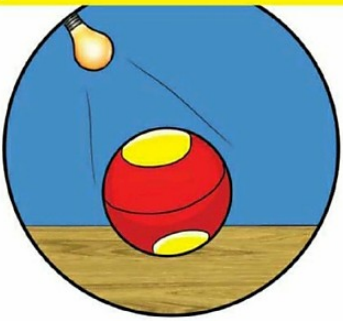

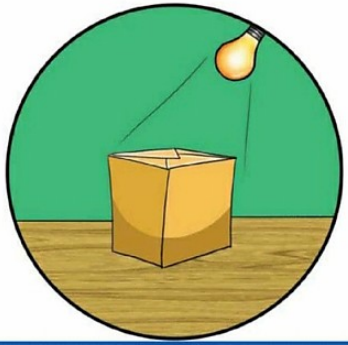

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

क्लीडोस्कोप (बहुरूपदर्शक)

पलक शाह

स्मार्ट

कार्डबोर्ड और फौइल का इस्तेमाल करते हुए एक आसान क्लीडोस्कोप क्राफ्ट यानी बहुरूपदर्शक नली बनाएं और मजे करें.

आप को चाहिए : सिलिंडर के आकार वाला कार्डबोर्ड, सफेद चार्टपेपर, स्कैच पैन, ग्लू, हार्डफौइलशीट, पेंसिल और कैंची.

ऐसे बनाएं :

1. फौइलशीट्स से बराबर आकार की 3 पट्टियां काट लें. त्रिभुज का रूप देने के लिए उन्हें एकदूसरे से गोंद लगा कर चिपका दें.

2. सिलिंडर आकार वाले कार्डबोर्ड में इसे डाल दें.

3. सफेद चार्टपेपर का एक वृत्त काट लें. वृत्त को 4 हिस्सों में बांट दें. स्कैच पैन का इस्तेमाल करते हुए हरेक हिस्से पर अलगअलग डिजाइन बना लें.

4. सफेद शीट के ऊपर सिलिंडर को रख दें और इसे चारों और घुमाएं ताकि आप अलगअलग किस्म के पैटर्न्स को देख सकें.

अपने घर पर इसे स्वयं ही बनाने की कोशिश करें. हमें अपनी प्रविष्टि writetochampak@delhipress.in या एक फोटो खींच कर +91 9619587613 पर भेज दें.

इस चित्र में कुछ हिस्से खाली रह गए हैं. चित्र को देखें, उन्हें पूरा करें और फिर इन में रंग भरें.

चित्र पूरा करें

मनी ट्रैप

कहानी ● विवेक चक्रवर्ती

अंधेरा घिरने लगा था, इसलिए मोमो चूहा मैदान से खेल कर अपने घर वापस लौट रहा था. उसे सड़क पर एक 10 रुपए का सिक्का गिरा दिखाई दिया.

'अरे वाह, 10 रुपए का सिक्का, मैं इस से चौकलेट खरीद कर खाऊंगा,' मोमो ने मन में सोचा.

मोमो ने खुशी से सिक्का उठाया और जेब में रखा तथा आगे बढ़ा. अभी वह कुछ कदम ही चला था कि उसे 10 रुपए का दूसरा सिक्का सड़क पर गिरा दिखाई दिया.

दूसरा सिक्का उठातेउठाते मोमो की नजर थोड़ी दूर गिरे एक अन्य सिक्के पर पड़ी.

'अरे, यह क्या, उधर तो एक और सिक्का गिरा है. लगता है किसी के काफी रुपए गिर गए हैं, बेचारे का काफी नुकसान हो गया. ऐसा करता हूं कि ये सारे सिक्के उठा लेता हूं और अगर वह मिल गया तो मैं उसे उस के सारे रुपए वापस लौटा दूंगा. टौफीचौकलेट खाने के लिए किसी का नुकसान करना ठीक नहीं,' बुदबुदाते हुए मोमो ने वह सिक्का भी उठा कर जेब में रख लिया.

उस के बाद मोमो सिक्के उठाते हुए आगे बढ़ने लगा.

सिक्के उठा कर जेब में रखतेरखते मोमो कब सुनसान इलाके में पहुंच गया, मोमो को इस बात का पता ही नहीं चला.

मोमो नीचे देख कर सिक्के उठाते हुए चला जा रहा था कि अचानक वह किसी से टकरा गया.

''मुझे माफ करना, मैं ने आप को देखा नहीं था,'' कहते हुए मोमो ने जैसे ही सामने देखा, कैथी कैट पर नजर पड़ते ही उस के होश उड़ गए.

घबरा कर मोमो ने पलट कर भागना चाहा, तो उस के पीछे मौजूद जोजो सियार ने उसे पीछे से पकड़ लिया.

''देखा कैथी, मैं क्या कहता था, मेरे मनी ट्रैप से बचना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन भी है,'' जोजो हंसते हुए बोला.

''यह मनी ट्रैप क्या है भाई?'' मोमो ने हैरान हो कर पूछा.

''यह पैसों का जाल है, तुम भी तो पैसे उठाने के लालच में यहां तक आ कर हमारे जाल में फंस गए,'' जोजो ने अपने दांत दिखाते हुए कहा.

''यह झूठ है, पहले मेरे मन में लालच आया था, लेकिन बाद में मैं पैसे इसलिए उठा रहा था, ताकि सारे पैसे उसे वापस लौटा सकूं, जिस के यह पैसे हैं, तुम अपने पैसे ले लो और मुझे यहां से जाने दो,'' मोमो विरोध करते हुए बोला.

''पैसे तो हम वापस ले ही लेंगे, पहले थोड़ी पेटपूजा तो कर लें,'' जोजो ने मोमो को लालच भरी नजरों से देखते हुए कहा.

''हांहां, अच्छे काम में देर कैसी, लेकिन पहले सारे पैसे ले लेते हैं, कहीं पैसे खो न जाएं. चलो, हमारे पैसे इधर दो,'' कैथी मोमो को धमकाते हुए कहा.

कैथी की बात सुन कर मोमो ने जेब में हाथ डाला तो वह हैरान रह गया.

''क्या हुआ, पैसे लौटाने में इतनी देर क्यों हो रही है?'' मोमो को पैसे न देते देख जोजो ने पूछा.

''मेरे पास पैसे नहीं हैं,'' मोमो रोंआसा हो कर बोला.

''क्या तुम्हारे पास पैसे नहीं हैं? अभी तो कह रहे थे कि हमारे सारे सिक्के तुम ने संभाल कर रखे हैं, बताओ, क्या किया उन सिक्कों का?'' जोजो मोमो को झकझोरते हुए चिल्लाया.

''जरूर तुम ने आइसक्रीम खाई होगी या फिर बर्गर,'' कैथी ने गुस्से से मोमो को घूरते हुए कहा.

''अरे, मैं ने कुछ नहीं खाया, मेरी पैंट की जेब फटी हुई है, इसलिए मैं ने जो पैसे उठाए थे, वे सब फिर से गिर गए,'' मोमो अपनी फटी जेब दिखाते हुए बोला.

''शर्म आनी चाहिए तुम्हें, फटी जेब वाली पैंट पहन कर घूमते हो? तुम्हारी वजह से हमारे सारे पैसे चले गए,'' जोजो ने मोमो को डांटते हुए कहा.

''तुम्हें अपने पैसे जाने की पड़ी है, यहां मेरी जान जा रही है, उस का कुछ नहीं. अरे, कोई मेरे बारे में भी तो सोचो, मुझे जाने दो प्लीज,'' मोमो रोते हुए बोला.

''चुप रहो, तुम्हारी वजह से हमारा नुकसान हुआ है, तुम्हें तो हम बिलकुल भी नहीं छोड़ेंगे,'' कैथी ने कहा.

''कैथी, इस से बातें करना छोड़ो और यह सोचो कि अब दोबारा मनी ट्रैप के लिए हम पैसे कहां से लाएंगे?'' चिंता जताते हुए जोजो ने कहा.

''इस विषय पर बाद में सोचेंगे जोजो, वैसे मानना पड़ेगा, तुम्हारा मनी ट्रैप है जबरदस्त. इस मनी ट्रैप द्वारा अब हम रोज दावत उड़ाएंगे,'' कैथी खुश हो कर बोली.

''हां, रोज दोचार जानवर मनी ट्रैप में फंस कर हमारा शिकार अवश्य बनेंगे,'' जोजो ने जोरजोर से हंसते हुए कहा.

''और शिकार अगर बड़ा हुआ तो क्या होगा?'' पीछे से आवाज आई तो जोजो और कैथी पलटे. इस से पहले कि वह कुछ समझ पाते उन्होंने

खुद को हवा में उलटा लटका पाया.

''रैंबो तुम?'' रैंबो हाथी को देख कर कैथी और जोजो के मुंह से निकला.

''जिस मनी ट्रैप के चक्कर में मोमो फंसा था, उसी के चक्कर में मैं भी यहां आया हूं,'' रैंबो बोला.

''रैंबो, तुम जरूर उन सिक्कों को उठाते हुए यहां आए हो, जो मेरी जेब से गिरे थे,'' मोमो ने कहा.

''हां, शायद ऐसा ही है, जोजो तुम ने अभी तक मोमो को छोड़ा नहीं,'' रैंबो जोरजोर से कैथी और जोजो को अपनी सूंड़ से हवा में दाएंबाएं झुलाते हुए बोला तो जोजो ने जल्दी से मोमो को छोड़ दिया.

''रैंबो, अब तुम हमें भी छोड़ दो,'' कैथी ने कहा.

''जरूर छोड़ दूंगा, लेकिन पहले तुम दोनों को मनी ट्रैप में फंसाने की सजा तो दे दूं,'' कहते हुए रैंबो ने जोजो और मोमो को पास ही स्थित तालाब में फेंक दिया.

''हाय, इस तालाब का पानी तो बहुत ठंडा है,'' पानी में गिरते ही कैथी और जोजो जोर से चीखे और तालाब से बाहर निकल कर कंपकंपाते हुए वहां से भागे तो मोमो और रैंबो जोर से हंसने लगे. ●

गलत को बताएं

इस चित्र में कुछ बातें ऐसी हैं जो सही नहीं हैं, उन्हें ढूंढ़ें.

दादाजी और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

कहानी ● विवेक चक्रवर्ती

रिया और राहुल कुछ बनाने में व्यस्त थे. तभी दादाजी वहां आए.

जब तुम किसी प्रयोग के बारे में कुछ नहीं जानते हो, तो नया प्रयोग करने में क्यों लगे रहते हो?
अगर मैं कोशिश नहीं करूंगा तो कोई भी नई बात नहीं सीख सकूंगा.
रिया, हालांकि प्रदर्शन करने से पहले प्रयोग के बारे में सूचित किया जाना महत्त्वपूर्ण होता है, फिर भी नई चीजों को सीखने की कोशिश किसी को भी करते रहना चाहिए.

हां, सभी तरह के नए आविष्कार केवल नवाचार यानी नया करने के प्रयासों के कारण ही संभव हो सके हैं. तुम्हें पता होना चाहिए कि विज्ञान और वैज्ञानिक खोजों को बढ़ावा देने के लिए 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है.
दादाजी, क्या कोई खास कारण है कि 28 फरवरी को ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाना जरूरी है?

28 फरवरी को ही हमारे देश के महान भौतिक विज्ञानी सीवी रमन ने भौतिकी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण रमन प्रभाव की खोज की थी जिस के लिए उन्हें वर्ष 1930 में नोबेल पुरस्कार से भी नवाजा गया था.
इसी वजह से यह फैसला किया गया कि जिस दिन उन्होंने अपने शोध को पूर्ण किया था, उस दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाएगा.
दादाजी, मैं विज्ञान दिवस के दिन लगने वाली प्रदर्शनी के लिए इस प्रोजेक्ट को पूर्ण कर रहा हूं.
तुम ने तो मुझे बताया ही नहीं कि तुम विज्ञान दिवस की प्रदर्शनी में ही भाग लेने जा रहे हो.
SONAL
मैं इस ज्वालामुखी को बना कर सभी को सरप्राइज देने के लिए काम कर रहा था, लेकिन ज्वालामुखी अचानक फट पड़ा और मुझे ही भौंचक्का कर दिया.
यह सुन कर सभी जोर से हंस पड़े.

नन्ही कलम से

समर सिंह बघेला, 6 वर्ष
अहमदाबाद

आशा

खिड़की से बाहर दुनिया को देखना, दुकानों के सभी शटर बंद हैं. आसमान नीरस दिखाई दे रहा है. सड़क पर कोई भी व्यक्ति नहीं है, बस कुछ जानवर हैं, जो गुजर रहे हैं. मैं पीछे हट गया और उदासी से भर गया. मेरी आहें दुख से पूर्ण थीं. अन्य दिनों की सुबह की तरह मैं ने अखबार उठा लिया. मैं ने पढ़ा, ''वैक्सीन आ गई है.'' मेरा मन शरारत करने लगा. आशा ही एकमात्र ऐसी चीज है, जो हमें यहां तक ले आई. आशा साझा करने के लिए बनी है और हम सभी को इसे साझा करने की आवश्यकता है.

आरिबा इरम फातिमा, 10 वर्ष
रांची

मेला

यह बच्चों और किशोरों के लिए सपनों की भूमि है. यह एक सुंदर मेला है. यहां की हर जगह बड़ी दुर्लभ है. मुझे रोलर कोस्टर बहुत पसंद है. इस की गति बूस्टर की तरह तेज है. मेरे कैंडी फ्लौस खाने के लिए वहां खूबसूरत स्टौल हैं. यह लड़कालड़की दोनों के लिए खुशी का स्थान है. यहां बहुत सारे खेल हैं. झूले और स्लाइड्स जैसे वहां कई राइड्स हैं. खुशी और मस्ती के लिए मैं यहां फिर से आना चाहता हूं.

स्वर राजंश वेदांत, 10 वर्ष
पटना

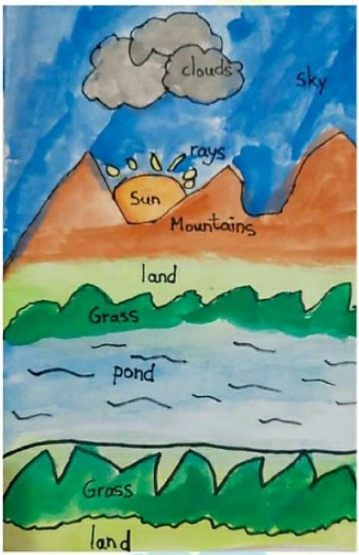

ईशान मैराल, 6 वर्ष
पुणे

आरोही वैद्य, 12 वर्ष, हरियाणा

पढ़ने का आनंद लेना

मुझे किताबें पढ़ना पसंद हैं और ये मुझे एक अलग दुनिया में ले जाती हैं. किताबें मुझे बहुत सी बातें सिखाती हैं और वे मेरी सब से अच्छी दोस्त हैं. मेरे पसंदीदा लेखक इनिड ब्लाटन, रोल्ड डाहल, सुधा मूर्ति, जैक्लिन विल्सन, डेविड वलियम्स और जैफ किन्नी हैं. ये लेखक मुझे एक अलग ही दुनिया की सैर कराते हैं और मुझे महसूस कराते हैं कि जैसे मैं एक किरदार हूं. किताबें मुझ से बातें करती हैं. जब मैं इस के पृष्ठों को पलटती और कहानियों को पढ़ने लगती हूं, अपने खाली समय में आप को पसंद आने वाली किताब ले कर आराम कुरसी पर बैठ जाना चाहिए. अपने पास गर्म चौकलेट वाला एक पेय रख लें और उस में से छोटेछोटे घूंट लेना शुरू कर दें क्योंकि आप धीरेधीरे पढ़ना शुरू करते हैं. आप अपनेआप को किताबों की गहराई में जाते हुए पाएंगे. जब आप अकेले होते हैं तो ऐसे में किताबें सब से अच्छी दोस्त होती हैं. रोज दो पृष्ठों को पढ़ना आप के मस्तिष्क को जगाए रखता है. पढ़ने का आनंद लेते रहिए.

आर. सहाना, 11 वर्ष, चैन्नई

अग्राज गोयल, 8 वर्ष
आंध्र प्रदेश

हम एकजुट खड़े हैं

आज दुनिया एक बैनर के नीचे एकजुट खड़ी है. आज हम एक ही तरीके से विरोध सुनते हैं. गलत के खिलाफ हमारी लड़ाई है. काले या सफेद के खिलाफ नहीं है. लेकिन दो गलतियां एक अधिकार नहीं बनाती हैं, इसलिए विरोध एक शांतिपूर्ण दृष्टिकोण का होना चाहिए. हमारा दुश्मन अन्याय है, न कि कोई आदमी, क्योंकि पृथ्वी के सभी नागरिक कथ और किन हैं. हमें निर्दोषों को कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए. क्योंकि भीड़ हिंसक होने लगी है. हर कोई चाहता है कि दुनिया में न्याय, शांति समृद्धि और पैथियन हो. अगर हमारा मकसद गलत काम करने का है, तो जल्द ही भयंकर हिंसा होने वाली है. जीवन में आज अच्छे गुणों की आवश्यकता है. ये आपदाओं को रोकने में हमारी मदद करेंगे. दुनिया को आसान बनाने के लिए साहस, न्याय और बुद्धिमानी की जरूरत है. कृपया विरोध करें अगर आप चाहते हैं तो, लेकिन एक अच्छा इनसान भी तो बने रहिए. यह समय मानवता दिखाने का है. सभी गलत कामों और पागलपन को रोकने का है. अगर हम ने गलत की जगह सही को चुन लिया तो हम जीतेंगे और मजबूत बन कर खड़े होंगे.

अनुषा शुक्ला, 11 वर्ष
जबलपुर

यह एक डौल है जिसे हमारी 8 वर्षीय पाठिका वसुंधरा बिस्वास ने कोलकाता से बना कर भेजा है.

अपनी पहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें:

चंपक, दिल्ली प्रैस, ए-4, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, वडाला, मुंबई- 400031

writetochampak@delhipress.in 9619587613

www.facebook.com/ChampakMagazine

http://www.youtube.com/ChampakSciQ

हम आप की सामग्री लौटा नहीं सकते इसलिए हमें भेजी सामग्री की कापी अपने पास रखें.

अंतर बताओ

यहां 10 गलतियां हैं. आप उन गलतियों को ढूंढ़ कर बताएं.

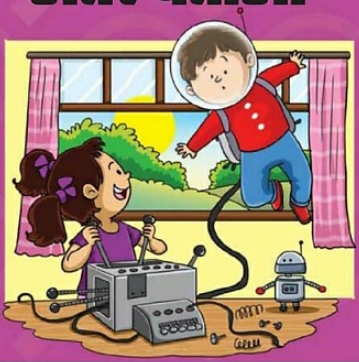

हमारी और उन की विशेषताएं

मनुष्य और व्हेल में बहुत सी बातें सामान्य हैं. उन का व्यवहार भिन्नभिन्न है और वे अपनी संस्कृति में विभिन्न भाषाओं का निर्माण करते है जैसा कि मनुष्य करते हैं. वे अपने बच्चों को दूध भी पिलाती हैं.

वे स्वभाव से सामाजिक हैं और अपने मुंह से क्लिक और ध्वनियां समूह में दूसरों के साथ जानकारी साझा करने के लिए निकालते हैं. वे व्यक्तिगत समूहों के बजाय सामूहिक समूहों में सीखते हैं. वे स्नेही भी होते हैं और एकदूसरे को रगड़ते और सहलाते हुए देखे गए हैं.

इन सभी समानताओं के बावजूद मनुष्य और व्हेल में भी कुछ फर्क है. पहला, मनुष्य ही है जो व्हेलों का प्राकृतिक एकमात्र दुश्मन है. हम उन के प्राकृतिक वातावरण को प्रदूषण और विषाक्त पदार्थों के साथ नष्ट कर रहे हैं. बहुत सी व्हेल्स समुद्र में बड़ेबड़े जहाजों की उपस्थिति के कारण नष्ट हो गई. मछली मारने वाले जहाज जिन के जाल बहुत बड़े होते हैं और उन के तंत्र की गलती से दुर्घटनावश व्हेल घायल हो सकती हैं और मारे भी जा सकती हैं.

ब्लू व्हेल सब से बड़ी जानवर है जो कभी धरती पर थी और जो 90 फुट तक बढ़ सकती थी और जिस का वजन 24 हाथियों के वजन के जितना होता था.

संतरा, कमाल का फल

कहानी ● दीपा साह

''मम्मी,'' लिविंगरूम में जाती हुई टीना ने पुकारा, ''क्या आप को याद है कि अतुल, प्रिया और टोनी आज आ रहे हैं?''

मम्मी ने अखबार नीचे रखा और मुसकरा कर बोलीं, ''हां, बिलकुल मुझे याद है. कल तुम ने मुझे तीन बार याद दिलाया था.''

टीना उत्साहित थी. उस की टीचर मिस खान ने उन्हें एक समूह परियोजना पर काम करने के लिए कहा था. उन्हें सर्दियों के फलों की तसवीरें खींचनी या इकट्ठा करनी थीं और उन में से एक के बारे में लिखना था.

टीना के समूह को नारंगी पर लिखना था.

टीना ने अतुल, प्रिया और टोनी को कुछ घंटे के लिए एकसाथ काम करने के लिए बुलाया था.

उस की दादीमां नारंगी की टोकरी ले कर आई थीं. ''टीना, तुम अपने दोस्तों के साथ कुछ नारंगी ले सकती हो,'' उन्होंने अपनी आखों में एक चमक के साथ कहा.

''जरूर, दादीमां,'' टीना ने कहा, ''हम ने कल औरेंज क्रीम वेफर्स और बिस्कुट्स भी खरीदे थे.''

मम्मी को कुछ सफेद नारंगी के छिलके मिले थे जिन का इस्तेमाल लिविंग रूम के कुशन कवर के लिए लंबे समय तक नहीं किया गया था.

''वाउ, मम्मी, ये बहुत अच्छी लग रही हैं. मुझे हैरानी हो रही है कि हम उन का उपयोग कभी क्यों नहीं करते हैं?''

''अपनी नारंगी बैठक के लिए क्या तुम ने सभी कुछ सेट यानी तैयार कर लिया है, टीना?'' दादीमां ने पूछा जो अभीअभी बगीचे से कमरे में आई थीं.

''हां, दादीमां,'' टीना मुसकराई. ''क्या कोई सुझाव है?''

''ठीक है, आप नारंगी के विभिन्न किस्मों को देख सकते हो और जान सकते हो कि वे कहां बढ़ते हैं,'' उन्होंने कहा.

''मुझे पूरा यकीन है कि आप सभी बहुत सारे आइडियाज जान सकोगे.''

जल्दी ही टीना के दोस्त आ गए.

''हाय, टीना.''

''हैलो, सभी को नमस्कार.''

''अरे, टीना,'' प्रिया ने कुशन कवर को गौर से देखा.

''वे निश्चय ही कमरे को रोशन कर रहे हैं. मुझे उम्मीद है कि हमारे पास भी कुछ सटीक विचार आएंगे.''

टीना ने एक अच्छी परिचारिका की भूमिका निभाई. कहा, ''कृपया बैठो, तुम सब से पहले अपने आप को सहज करो.''

उस ने अपनी पैंसिल और नोटबुक निकाली और प्रिया की बगल में बैठ गई.

''तुम सही कह रही हो. इन कुशनों से कमरे का रूप निखरा है. क्या यह अजीब बात नहीं है कि फल का नाम एक रंग के नाम जैसा है?''

टोनी ने कहा, ''हमारे पास एक पुराना कैलेंडर था, जिस में फलों के कुछ प्यारे चित्र थे.''

''अरे, यह तो बहुत अच्छा है,'' नारंगी के बाग में बच्चों की तसवीर देख कर प्रिया चौंक पड़ी, जिसे टोनी पकड़े हुए था. ''आओ, जरा इस के बारे में सोचो. मैं ने पहले कभी भी संतरे का पेड़ नहीं देखा है.''

''हा, हा, मेरी मम्मी की चीजों को जमा करने की आदत वास्तव में उपयोगी साबित हुई है.''

''ठीक है, अब चलो, हम इसे एक संगठित तरीके से करें,'' अतुल ने कहा. उस ने अपनी नोटबुक खोली और कहा, ''मुझे आशा है कि आप सभी ने कुछ शोध किया होगा जैसा कि हम ने तय किया है.''

टोनी ने आंख मारते हुए कहा, ''हां, सर, हम सब तैयार हैं.''

सभी ठहाके लगा कर हंस पड़े.

''अतुल सही कह रहा है,'' टीना ने कहा, ''आइए, देखें कि हमारे पास कौन सी सामग्री है और हम इस परियोजना पर कैसे काम करेंगे.''

''टीना, मुझे आशा है कि तुम्हारे पास हमारे लिए कुछ नारंगी स्नैक्स होंगे,'' प्रिया ने कहा.

टोनी ने अपनी आंखें घुमाईं और कहा, ''प्रिया, तुम हर समय भोजन के बारे में सोचती रहती हो.''

''हां, मेरे मस्तिष्क को काम करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता है. वैसे आज मैं ने संतरे का रस सुबह ही पीया था.''

अतुल ने अपनी नोटबुक में संतरे का रस लिख लिया और कहा, ''चलो, संतरे के रस के साथ शुरू करते हैं.''

उस ने प्रिया को देखा, ''क्या तुम जानती हो कि संतरा खाना संतरे के रस को पीने से ज्यादा फायदेमंद होता है?''

प्रिया ने उसे हैरानी से देखा, ''क्या सच में? ऐसा क्यों? मुझे तो सिर्फ यही पता है कि संतरे का रस निकालना सब से आसान होता है.''

''मुझे पता चला है कि पैकेट वाले जूस में आमतौर पर बहुत अधिक चीनी होती है,'' अतुल ने अपने नोट्स जिन्हें उस ने तैयार किया था, देखते हुए कहा.

''हां,'' टीना भी उस की बातों से सहमत थी. ''मैं ने भी इसे देखा है. ताजा निकाला जूस पैकेट वाले जूस से ज्यादा स्वास्थ्यप्रद है.''

''और तब भी, इसे पीना फल खाने जैसा नहीं है, मतलब फल खाने से पेट भरता है, लेकिन पीने से नहीं भरता है,'' टोनी ने अपनी नोटबुक के पृष्ठों को पलटते हुए कहा.

मम्मी अपना फोन लेने कमरे में आईं.

''नमस्ते बच्चो,'' वह टीना के दोस्तों को देख कर मुसकराईं, जो उन्हें देख कर उन का स्वागत करने के लिए खड़े हो गए थे. ''मैं सोचती हूं कि मैं भी एक विंदु (पौइंट) जोड़ सकती हूं. फल खाना अच्छा होता है, क्योंकि इन में फाइबर होता है. क्या यह आप को कुछ याद दिलाता है?''

टीना ने अपनी उंगलियां चटकाईं, ''अरे हां, हम ने पिछले महीने अपने आहार में फाइबर के महत्त्व के बारे में पढ़ा था.''

''धन्यवाद मम्मी.''

प्रिया का चेहरा गंभीर दिख रहा था. ''हम्म... फाइबर वाला आहार पेट और आंतों को स्वस्थ बनाता है,'' उस ने फिर याद करते हुए कहा, ''मुझे नहीं पता था कि जो बातें हम ने सीखी हैं, वे इतनी उपयोगी हो सकती हैं.''

हंसी के ठहाकों ने उस का अभिवादन किया, ''क्या? मैं ने कोई मजाक की बात कह दी?'' उस ने नाराज दिखने का नाटक करते हुए कहा.

''कृपया अपने काम पर वापस आ जाएं,'' अतुल ने सख्त लहजे में कहा.

''टोनी, तुम्हारी हैंडराइटिंग सब से अच्छी है. क्या तुम हमारे द्वारा एकत्र किए गए सभी पौइंट्स को लिख सकते हो?'' टीना ने पूछा.

''जरूर, मैं अपने सभी मार्क्स, स्कैचपैन, क्रेयोंस, सभी संतरे के साथ बिलकुल तैयार हूं,'' टोनी ने अपनी खींसे निपोरे. ''मैं अभी अपनी नोटबुक में सभी पौइंट्स लिखूंगा.''

प्रिया ने स्वेच्छा से कहा, ''मैं सभी ड्राइंग्स बना दूंगी. आखिर मैं एक कलाकार जो हूं.''

उस ने अपनी फाइल दिखाते हुए कहा, ''इसे मैं ने कल बनाया था,'' उस ने गर्व से एक विक्रेता का स्कैच प्रदर्शित किया, जिस में एक फल बेचने वाले ने अपनी गाड़ी पर ढेर सारे संतरे रखे हुए थी, जो बड़े ही प्यारे दिख रहे थे.

टोनी ने उस की सराहना करते हुए कहा, ''तुम अवश्य अच्छा ड्रा कर सकती हो.''

अतुल ने अंगूठा दिखाया और मुसकरा दिया, ''इसलिए अब हमारी कलाकृति का ध्यान रखा जाएगा. अब हमारे पास क्या है, जिसे करना है?''

''हम फाइबर के बारे में कुछ और जोड़ सकते हैं,'' टोनी ने कहा. ''मेरी दादीमां ने बताया था कि नारंगी का फाइबर डाइबिटिक लोगों के लिए अच्छा होता है, क्योंकि यह उन के ब्लडशूगर को नियंत्रित रखता है. मैं ने इसे लिखा था, इसलिए मैं इसे नहीं भूलूंगा.''

''बहुत अच्छा,'' टीना ने कहा, ''इस के अलावा?''

''डाक्टर राव ने भी मेरी दादीमां को बताया था कि नियमित रूप से संतरा खाने से दिल की बीमारी के खतरे कम रहते हैं,'' टोनी ने जोड़ा अतुल हंस पड़ा, ''तो तुम यह सोचते हो कि हम यह कहें कि एक संतरा रोज खाओ, डाक्टर को दूर भगाओ?'' और इस के साथ ही सभी हंस पड़े.

''मैं ने यह पाया,'' प्रिया ने घोषणा की, ''संतरा विटामिन सी का सब से अच्छा स्रोत है.''

''बिलकुल सही,'' टीना ने सहमति में सिर हिलाया. प्रिया ने गहरी श्वांस लेते हुए कहा, ''मैं कामना करती हूं कि हमें साल भर संतरे मिलते रहें. मैं तो जानती ही नहीं थी कि वे हमारे स्वास्थ्य के लिए इतने महत्त्वपूर्ण हैं.''

टोनी विचारों में डूबा सा दिख रहा था, ''अरे, क्या और कोई शब्द है जिस का उपयोग मैं हैल्दी की जगह कर सकता हूं?''

टीना ने अपनी डिक्शनरी अपने पास तैयार रखी थी और उस ने पृष्ठों को पलटना शुरू कर दिया. ''मेरी डिक्शनरी में पर्यायवाची शब्द भी हैं. यह रहा, हैल्दी के लिए दूसरा शब्द न्यूट्रिशंस है.''

''लेकिन क्या किसी व्यक्ति को यह पता है कि हमें विटामिन सी की जरूरत क्यों है?'' अपनी नोटबुक में सभी बिंदुओं को लिखने में व्यस्त टोनी ने पूछा.

अतुल ने अपने नोट्स पर एक नजर डाली और कहा, ''विटामिन सी आप की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाता है और संक्रमण से लड़ने में सहायता करता है.''

''और क्या आप जानते हैं कि संतरा एक सिट्रस यानी खट्टा फल है? आप ने कभी इस शब्द को सुना है?''

''इस का उच्चारण तुम कैसे करते हो? मुझे इसे देखने दो,'' टीना ने कहा.

''ठीक है, मिस फास्ट फिंगर. सि...ट्र...स यानी खट्टा,'' अतुल ने हिज्जे कर के बताया.

कुछ सैकंड बाद टीना ने पढ़ा, ''एक सिट्रस यानी खट्टा फल मोटी त्वचा के साथ एक रसदार और गूदेदार फल है. यह गरम जलवायु में अच्छी तरह बढ़ता है. यहां कुछ की तरवीरें हैं, जैसे, लाइम, नीबू अंगूर और नारंगी.''

''यहां,'' टोनी को डिक्शनरी पकड़ाते हुए उस ने कहा, ''तुम इस की कौपी कर सकते हो.''

''हम संतरे से कैल्शियम भी प्राप्त करते हैं,'' टोनी ने कहा, जबकि वह अपनी नोटबुक में लिखने में व्यस्त था.

''मुझे पता है कि हमें कैल्शियम की जरूरत क्यों है?'' प्रिया ने चहकते हुए कहा. ''मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए इस की आवश्यकता है. वाउ, मुझे याद है, पिछले महीने साइंस के एक चैप्टर में बहुत कुछ बताया गया था.''

''तुम्हें सबकुछ इसलिए याद है क्योंकि यह सबकुछ खाने के बारे में था,'' टोनी ने उसे चिढ़ाया.

''काफी हो गया, तुम दोनों अब चुप भी हो जाओ. चलो, अब हम संतरों को देखते हैं,'' टीना ने सुझाया.

प्रिया ने अपना एक विचित्र रूप दिखाते हुए कहा, ''क्या हम कोई खेल खेल रहे हैं?''

''नहीं रे, बुद्धू,'' टीना हंस पड़ी और अपने लैपटौप पर कुछ टाइप किया, ''संतरे कहां उगते हैं?''

जल्दी ही टीना और उस के दोस्तों को इस सवाल का जवाब पता चला और बहुत सारी जानकारियां मिलीं. वे इस तरह संतरे के बारे में बहुत सारी दिलचस्प जानकारी इकट्ठा करने में कामयाब रहे. उन का ग्रुप प्रोजैक्ट सफल रहा था. ●

उत्तर पृष्ठ :

पृष्ठ 15 :
रास्ता बताओ:

A - 2
B - 3
C - 1

पृष्ठ 21 : पता लगाएं :

पृष्ठ 27 : छिपे चित्र ढूंढ़ें :

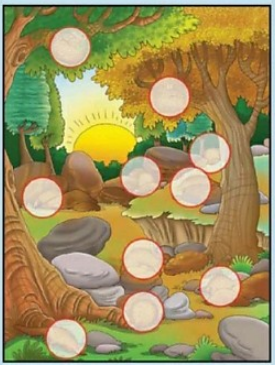

पृष्ठ 33 : छाया की खोज :

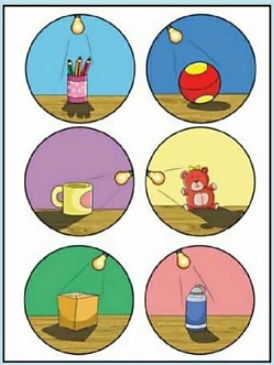

WE SPEAK IN 30 DIFFERENT CONSUMER VOICES.

BECAUSE EVERY BRAND IS UNIQUE.

With virtually every age group, income segment and language covering 30 million Indians, we are the most diverse magazine group in India. So next time you want to address anyone in India, you are better off speaking to the **Delhi Press** Group today.

DELHI PRESS

To subscribe to our magazines Call/SMS/WhatsApp: 08588843408,
E-mail: subscription@delhipress.in, You can also subscribe online at www.delhipress.in/subscribe

The Caravan · Chamak · सरिता · गृहशोभा · चंपक · मुक्ता · सरस सलिल · फार्मफूड · सत्यकथा · मनोहर कहानियां
ગૃહશોભા · ચંપક · સરસ સલિલ · મુક્તા · ચંપક · સરસ સલિલ · ગૃહશોભા · ડિલિશિયા · கும்பக் · சமையல் · குமுதம்பி · சிம்பரி
ಗೃಹಶೋಭಾ · ಮುಕ್ತಾ · ಚಂಪಕ್ · ಸಲಿಲ್ · ಚಮಕ್ · Highlights CHAMPS · Highlights Genius · MOTORING!

(REGISTERED) RNI 16420/68 DL(C)-14/1093/2021-23 WPP U(C)148/2021-23 P.O. SRT Nagar, ND-55
Posting Dt. 16 to 22 Published on 12/02/2021. Pgs. 52.

स्टोमाफिट

टैबलेट व लिक्विड

SUNCARE
A BRAND OF GMP COMPANY
SURE SAFE SECURE

सुनो जी, सुबह से तीसरा प्लेट लिट्टी- चौखा खा रहे हो, सेहत बिगडी तो हमें न कहना, तुम ही खाए हो तो तुम ही सहना!!

अरी ठकुराईन, काहे घबरावत हो , अपना **स्टोमाफिट** है ना!! अब डर को जाओ भूल, लो **स्टोमाफिट** और रहो कूल!!

450ML, 200ML, 100ML, 6X10 TABLETS

निम्नलिखित कारणों से हुई कमजोरी को दूर करने में सहायक

- गर्भधारण
- हुकवार्म
- पेट में कीड़े
- मासिक धर्म
- साधारण कमजोरी
- बीमारी या संक्रमण
- बवासीर से एनीमिया
- बच्चों में कमजोरी व थकावट

हेमोकॉल

बेहतरीन स्वाद

ग्लूकोज़ से भरपूर आयरन टॉनिक

Now Available on 1mg

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

सनकेयर फार्मूलेशन्स प्रा. लि.

फोन:8447977889/999, 011-46108735, मेल:info@stomafit.com

फ्री होम डिलीवरी 8447977999